आषाढ़ कृष्ण पक्ष-9-10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 04 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

09 जुलाई 2026 गुरुवार

आज का मौसम

30.4 अधिकतम

25.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

प्रीति जिंटा के डीपफेक और मॉर्फ्ड फोटो तुरंत हटाने का आदेश

मुंबई। बीते दिनों प्रीति जिंटा ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कई सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपनी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनी डीपफेक इमेज और मॉर्फ्ड कंटेंट हटाने की मांग की थी। अब इस मामले पर कोर्ट ने बड़ा एक्शन लिया है। कोर्ट ने इंटरनेट पर मौजूद उनके सभी डीपफेक वीडियो, मॉर्फ्ड तस्वीरें और फर्जी कंटेंट को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस तरह का कंटेंट किसी व्यक्ति के मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है।

महाराष्ट्र में बारिश की मार के बीच लगे भूकंप के झटके

मुंबई। बारिश की मार झेल रहे महाराष्ट्र में देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार आज महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके के नांदेड़, हिंगोली और परभणी ज़िलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक रात करीब 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच महसूस किए झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई।

ओडिशा में माओवादी कैंप ध्वस्त हथियार व विस्फोटक बरामद

खरियार रोड। ओडिशा के नुआपड़ा जिले के पाटदर्हा संरक्षित वन में जवानों ने एक माओवादी कैंप ध्वस्त कर हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। जंगलों और पहाड़ी इलाके में तलाशी के दौरान जवानों ने माओवादियों द्वारा छिपाकर रखा हुआ सामान बरामद किया। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह एक पुराना कैंप रहा होगा। जवानों ने कैंप से दो देसी बंदूक, एक देसी कार्बाइन और मैगजीन, एके-47 की 29 नग गोलियां, एसएलआर की 54 नग गोलियां, दो टिफिन बम, एक खाली टिफिन करियर, आठ नग जिलेटिन स्टिक, एक मल्टीमीटर, एक 12 वोल्ट की बैटरी, डेढ़ किलो बारूद, यूरिया, वायर, सोलर प्लेट, चार्जर, डेटोनेटर, माओवादी साहित्य, वर्दी, बर्तन, मेडिकल किट आदि सामान बरामद किए।

रोहिणी इमारत हादसा: मरने वालों की संख्या बढ़कर 4 हुई

दिल्ली। रोहिणी सेक्टर-16 में एक पांच मंजिला इमारत देर रात को भरभरा कर गिर गई। इमारत के मलबे में दबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। इमारत गिरने से मौके पर कई लोग दब गए थे, जिन्हें सुरक्षित बचाने के लिए रेस्क्यू चलाया गया। मलबा हटाने का काम अभी भी चल रहा है। संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई है। नवनिर्मित इमारत गिरने के बाद भवन के ढांचे और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम के एक अधिकारी का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के कुछ माह बाद इमारत गिरने का यह अपनी तरह का पहला है, वह भी तब, जब इमारत में कोई बड़ा कार्य नहीं चल रहा था।

महादेव सट्टा ऐप: 25 आरोपियों के खिलाफ पेश की चार्जशीट

रायपुर। सीबीआई ने महादेव आनलाइन सट्टा एप मामले में रायपुर की विशेष अदालत में 25 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी है। चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए विशेष अदालत ने मामले के आठ प्रमुख आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। वहीं, शेष 17 आरोपित पहले से ही सुप्रीम से जमानत प्राप्त कर चुके हैं, जिसके चलते उनकी गिरफ्तारी फिलहाल नहीं होगी।

आज का कार्टून

आज जहां दफनाए जाने वाले हैं खामेनेई, उस रास्ते के दो ब्रिज अमेरिका ने उड़ाए

ईरान के 90 ठिकानों पर फिर हमला ट्रम्प बोले- मैं हिटलिस्ट में सबसे ऊपर

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने बीती रात ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि उसने ईरान के करीब 90 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन स्टोरेज साइट, निगरानी ठिकाने, नौसैनिक ठिकाने और सैन्य लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। उधर, ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि खुजेस्तान प्रांत के अहवाज शहर के बाहरी इलाके में हुए हमले में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक राहत और बचाव अभियान जारी है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा कि उन्हें हर समय खतरा रहता है। उन्होंने कहा किया, 'मैं ईरान की हिटलिस्ट में सबसे ऊपर हूं।' ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन उन्हें इस बात पर भरोसा नहीं कि तेहरान समझौते का पालन करेगा। अमेरिका का कहना है कि ताजा हमलों का मकसद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमले की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। वहीं ईरान ने इन हमलों की जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इस बीच ईरान ने तेहरान-मशहद रेलवे लाइन पर यात्री ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं। ईरान रेलवे के मुताबिक, हमले में रेलवे लाइन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। मौके पर तकनीकी और ऑपरेशन टीमें भेज दी गई हैं और ट्रैक की मरम्मत का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि रेल सेवा जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश की जा रही है। जिन यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई है, उन्हें सड़क मार्ग से मशहद पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट के पास से वापस लौटा भारतीय झंडे वाला टैंकर 'लीला वादिनार'

अमेरिका से बात नहीं : अराघची

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि उसने बहरीन और कुवैत में 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। इसमें अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय और अली अल-सलेम एयर बेस भी शामिल बताए गए। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में अमेरिका से कोई बातचीत या समझौता नहीं होगा, पहले अमेरिका को पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा। उधर सीएनएन ने खबर दी है कि होर्मुज में बढ़ते तनाव के बाद कुवैत का 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा भारतीय झंडे वाला टैंकर 'लीला वादिनार' होर्मुज स्ट्रेट के पास ओमान के तट से वापस लौट गया।

आज खामेनेई का अंतिम संस्कार

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के एक सप्ताह लंबे अंतिम संस्कार कार्यक्रम का समापन आज होगा जब उनके पार्थिव शरीर को मशहद स्थित इमाम रज़ा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। ताजा घटना में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने मशहद जाने वाले दो रेलवे ब्रिज को निशाना बनाया है। यहीं से लोग अयातुल्ला ख़ामेनेई को दफनाने के लिए निकलने वाले हैं। इस बीच सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं या नहीं। मोजतबा अब तक सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। उनकी अनुपस्थिति को लेकर ईरान में अटकलें तेज हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से वह केवल लिखित संदेशों के जरिए अपने समर्थकों तक बात पहुंचा रहे हैं।

हमलों के बाद होर्मुज से आवाजाही ठप

लगातार दूसरे दिन ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरिम अमेरिका-ईरान समझौते के बाद यह अब तक का सबसे कम समुद्री ट्रैफिक है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, जहाजों की ट्रैकिंग से पता चला है कि बड़े जहाजों में केवल एक अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा सुपरटैंकर और एक ईरानी ध्वज वाला कंटेनर जहाज ही खाड़ी से बाहर जाता दिखाई दिया।

ट्रक में घुसी कार परिवार के चार लोगों की मौत

उमरिया, एजेंसी। प्रदेश के उमरिया में आज तड़के 3 से 4 बजे के बीच एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक मासूम बच्चा, 2 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी के पास नेशनल हाईवे- 43 पर हुआ। पुलिस के मुताबिक, यह परिवार अनूपपुर जिले का रहने वाला था। इसके छह लोग अर्टिगा कार से चित्रकूट जा रहे थे। भरौला के पास सिद्ध बाबा क्षेत्र में कार अचानक बेकाबू हो गई और आगे जा रहे ट्रक में जा घुसी।

मृतकों में सरपंच, उनकी हेड कॉन्स्टेबल पत्नी भी: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के अनुसार, हादसे में सरपंच कुलपत सिंह (37), इनकी हेड कॉन्स्टेबल पत्नी सविता सिंह मार्को (32), प्रियंका सिंह और रुद्र प्रताप (3) की मौत हो गई। सभी अनूपपुर जिले के लीला गांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, कार में 22 वर्षीय युवती खुशबू मार्को भी थी। चित्रकूट में इसकी परीक्षा थी। परिवार उसे लेकर वहीं जा रहा था। बताया जा रहा है कि हादसे में खुशबू भी बुरी तरह घायल थी। उसकी सांसें थम चुकी थीं।

सीएम का कालापीपल में रोड शो, 29 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

कालापीपल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाजापुर जिले के कालापीपल पहुंचें, जहां उन्होंने किसान सम्मेलन को संबोधित कर रोड शो किया। इस दौरान करीब 29 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन भी किया। 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण का संदेश दिया गया। विकास कार्यों में सड़क, पुल और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। शुजालपुर-आष्टा राष्ट्रीय राजमार्ग से अवंतिपुर बड़ोदिया तक बनने वाले फोरलेन मार्ग, पीपलिया नगर में पुल निर्माण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जुड़े कार्य भी किए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत में रह रही गर्लफ्रेंड को शव की फोटो भेजी, जमानत के लिए 47 करोड़ देने होंगे

भारतीय इंजीनियर ने की पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी/हैदराबाद, एजेंसी

अमेरिका में एक भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने पत्नी का गला घोंटकर हत्या की। अगले दिन उसके शव की फोटो भारत में रहने वाली गर्लफ्रेंड को भेजी।

करीब 9 महीने तक चली जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल वह हिरासत में है। उसे जमानत के लिए 50 लाख डॉलर यानी करीब 48 करोड़ रुपए चुकाने होंगे। दोषी साबित होने पर उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है। आरोपी की पहचान 30 साल के अविनाश नार्ने के रूप में हुई है। वह तेलंगाना का रहने वाला है। वह अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसकी शादी 5 जून 2025 को 27 साल की राजिता सब्बिनेनी से हुई थी।

पीएम मोदी के दौरे पर कई ऐतिहासिक समझौते

भारत को यूरेनियम सप्लाई करेगा ऑस्ट्रेलिया, डील पर लगी मुहर

मेलबर्न, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यूरेनियम डील पर मुहर लग गई है। मेलबर्न में पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्पेस और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) समेत कई क्षेत्र में समझौतों की घोषणा की।

मोदी ने कहा- ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की सप्लाई मिलने से भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर भी विकसित करेंगे। कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे भारत के गगनयान मिशन को मदद मिलेगी।

पीएम ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिश्ता क्रिकेट जैसा है। हमारी मुलाकातें क्रिकेट की तरह होती हैं। एजेंडे में वनडे जैसा फोकस है, फैसले टी-20 की तरह तेजी से होते हैं और हमारी साझेदारी टेस्ट मैच की तरह लंबी और मजबूत है।

भारत में किया जाएगा 50 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश

ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर ने आज घोषणा की कि वे भारत के राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष में 50 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश करेंगे। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियनसुपर की इस घोषणा का स्वागत किया। यह निवेश सात साल पहले एलान किए गए 24 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर निवेश से अलग होगा।

मेट्रो एंकर | आईआईटी कानपुर में छात्रों के लिए बनेगा अत्याधुनिक हॉस्टल टॉवर

गुरु दक्षिणा की ऐसी मिसाल... पूर्व छात्र ने IIT को दिया 10 करोड़ का उपहार

कानपुर, एजेंसी

जिस संस्थान ने एक छात्र को वैश्विक पहचान दिलाई, उसी संस्थान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के पूर्व छात्र डॉ. नरेश चंद गुप्ता ने 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस राशि से परिसर में एक आधुनिक छात्रावास टॉवर का निर्माण किया जाएगा। यह टॉवर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा और आने वाले वर्षों में सैकड़ों विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराएगा।

डॉ. नरेश चंद गुप्ता ने आईआईटी कानपुर से स्नातक करने के बाद अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड से उच्च शिक्षा प्राप्त की। वे देश की अग्रणी सॉफ्टवेयर कंपनी एडोबी इंडिया के संस्थापक भी रहे हैं। उनके नेतृत्व में कंपनी ने वैश्विक स्तर पर कई महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर उत्पाद विकसित किए और भारतीय आईटी उद्योग को नई दिशा देने में योगदान दिया। अब उन्होंने अपनी सफलता का एक हिस्सा उस संस्थान को समर्पित किया है, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई थी। उनके सहयोग से बनने वाला नया छात्रावास टॉवर आधुनिक शिक्षा की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। डॉ. गुप्ता ने कहा कि आईआईटी कानपुर ने उन्हें केवल तकनीकी शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देखने और नवाचार करने की सोच भी विकसित की। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसे वातावरण के निर्माण में सहयोग देकर गर्व है, जहां छात्र सीखने, शोध और नवाचार के नए आयाम स्थापित कर सकें।' संस्थान के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने इस उदार सहयोग के लिए डॉ. गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योगदान केवल एक भवन के निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. नरेश चंद गुप्ता और निधि गुप्ता।

मजबूत हुआ एलुमनाई योगदान

हाल के वर्षों में देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में एलुमनाई योगदान की परंपरा तेजी से मजबूत हुई है। सफल पूर्व छात्र अब केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं कर रहे, बल्कि शोध, नवाचार, स्टार्टअप, छात्रवृत्ति और आधारभूत ढांचे के विकास में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। इससे भारतीय संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप अपने संसाधनों और सुविधाओं का विस्तार कर पा रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी संस्थान की वास्तविक ताकत उसके पूर्व छात्र होते हैं। जब वे अपने संस्थान के विकास के लिए आगे आते हैं तो यह वर्तमान विद्यार्थियों में भी संस्थान के प्रति जिम्मेदारी और जुड़ाव की भावना पैदा करता है।

ऐशबाग : आवारा कुत्तों से दहशत में वार्ड 40 के रहवासी, बेपरवाह बना हुआ है नगर निगम

भोपाल। राजधानी के ऐशबाग स्थित वार्ड क्रमांक 40 में आवारा कुत्तों की लगातार बढ़ती संख्या से रहवासियों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कुत्तों के झुंड दिन और रात सड़कों तथा गलियों में घूमते रहते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग कुत्तों के हमले और काटने की आशंका से घरों से निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। रहवासियों ने भोपाल नगर निगम से शीघ्र अभियान चलाकर आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान करने की मांग की है।

मो. मआज खान बोले- धार्मिक संस्था में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति स्वीकार्य नहीं

वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम नियुक्तियों पर विवाद गहराया, भोपाल के निकाह काजी ने छोड़े 3 पद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मप्र वक्फ बोर्ड की नई नियुक्तियों को लेकर विवाद तेज हो गया है। बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के विरोध में शहर के निकाह काजी मोहम्मद मआज खान नोमानी नदवी ने अपने तीन महत्वपूर्ण पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने निकाह काजी के पद के साथ ही दीनी तालीमी बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-मध्य प्रदेश के महासचिव पद से भी त्यागपत्र सौंप दिया है।

नदवी ने अपना इस्तीफा शहर काजी मौलाना सैयद मुश्ताक अली नदवी और जमीयत उलेमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल कलाम कासमी को भेजा है। उनका कहना है कि वक्फ बोर्ड एक धार्मिक और इस्लामी संस्था है, इसलिए इसमें गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति उचित नहीं है। वहीं, बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल के स्वागत कार्यक्रम को लेकर भी कुछ धार्मिक नेताओं ने आपत्ति जताई है, जिससे मामला और गरमा गया है।

इस्तीफे के पीछे क्या है वजह

निकाह काजी मोहम्मद मआज खान नोमानी नदवी का कहना है कि उन्होंने अपने सभी दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया है, लेकिन वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति उनके धार्मिक और वैचारिक दृष्टिकोण के अनुरूप नहीं है। उनके अनुसार, वक्फ बोर्ड मुस्लिम समाज की धार्मिक संपत्तियों और संस्थाओं के प्रबंधन से जुड़ी संस्था है, इसलिए इसकी संरचना और कार्यप्रणाली इस्लामी परंपराओं और मान्यताओं के अनुरूप होनी चाहिए। इसी कारण उन्होंने अपने पदों से हटने का निर्णय लिया।

कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल

मामले में मुफ्ती मोहम्मद मसरूर ने भी वीडियो संदेश जारी कर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाओं से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा कुछ निर्णयों और आयोजनों में सार्वजनिक भागीदारी समाज के एक वर्ग के लिए पीड़ादायक हो सकती है। साथ ही उन्होंने वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मस्जिद कमेटियों के नवीनीकरण और गठन में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ रहा है। उन्होंने समुदाय से धार्मिक संस्थाओं से जुड़े निर्णयों के प्रति जागरूक रहने और आवश्यक सवाल उठाने की अपील की।

नगर निगम नौकरी घोटाले का पर्दाफाश

फर्जी नियुक्ति पत्र लेकर आयुक्त कार्यालय पहुंचा युवक, खुली लाखों की ठगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल नगर निगम में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। फर्जी नियुक्ति पत्र लेकर एक युवक जब भोपाल नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के कार्यालय पहुंचा और ज्वॉइनिंग की मांग की, तब दस्तावेजों की जांच में पूरा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। मामले की सूचना पर कमला नगर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपित आशु कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित तीन से पांच लाख रुपये लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करता था और अब तक 30 से 40 लोगों को अपना शिकार बना चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपित का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वह पहले भी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। फिलहाल उसे 11 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेजकर बैंक खातों, मोबाइल और संभावित सहयोगियों की जांच की जा रही है।

आधा दर्जन से अधिक पीड़ित आए सामने

जांच के दौरान कई अन्य पीड़ित भी पुलिस के संपर्क में आए हैं। धनंजय बाल पांडेय ने भी नौकरी दिलाने के नाम पर छह लाख रुपये लिए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस का अनुमान है कि अब तक 30 से 40 लोगों से तीन से पांच लाख रुपये तक की ठगी की गई है। जांच में यह भी सामने आया कि दबाव बढ़ने पर आरोपित ने कुछ पीड़ितों को चेक देकर मामला शांत करने की कोशिश की, लेकिन वे चेक भी बाउंस हो गए। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपितों की तलाश में जुटी है।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स को अब नई पीढ़ी तक पहुंचाने की ऐतिहासिक पहल

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत में स्काउटिंग आंदोलन के प्रमुख स्तंभ पंडित श्रीराम बाजपेयी की प्रेरणादायी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल की है। बाजपेयी के प्रपौत्र चंद्रकांत बाजपेयी अपनी पत्नी ज्योत्सना बाजपेयी के साथ भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल, आईएएस (सेवानिवृत्त) से भेंट की। इस अवसर पर मधुसूदन अवला, विंग कमांडर एमएम जोशी तथा अमर बी. छेत्री (निदेशक) भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान भारत में स्काउटिंग एवं गाइडिंग आंदोलन के गौरवशाली इतिहास, उसके विकास, वर्तमान गतिविधियों तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत एवं सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। बैठक के दौरान मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल ने एक प्रेरणादायी घोषणा करते हुए बताया कि 11 अगस्त, पंडित श्रीराम बाजपेयी की जयंती पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में उनके जीवन, व्यक्तित्व, आदर्शों तथा स्काउटिंग आंदोलन में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित एक स्मारक पुस्तक का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे देश का युवा वर्ग उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सेवा, नेतृत्व, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ सके।

अवैध कॉलोनियों की सुनवाई, निराकरण भी हुआ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित जिले में अवैध कॉलोनियों की बढ़ती संख्या और वहां के रहवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पहल की है। इसके तहत आज कलेक्ट्रोरेट में एक विशेष - जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें दोपहर 1 बजे ते केवल कॉलोनियों से जुड़े 250 मामलों की सुनवाई हुई। सुनवाई में कॉलोनी वैध हो या अवैध, यदि वहां सड़क, बिजली, नाली, जल निकासी, पानी की सप्लाई या स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है, तो रहवासियों ने शिकायत दर्ज कराई। जिला प्रशासन का दावा है कि इन शिकायतों का मौके पर ही (ऑन-द-स्पॉट) निराकरण किया गया। एडीएम सुमित पांडे ने बताया कि आवेदकों ने अपनी शिकायतों के लिए लिखित आवेदन दिया, जिसका मौके पर तुरंत समाधान भी किया गया और कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

नए टैरिफ से बिजली कंपनियों की मनमानी पर लगेगी रोक

भोपाल। राज्य सरकार और विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2026-27 के नए रिटेल सप्लाई टैरिफ को मंजूरी दे दी है। नए टैरिफ के तहत अब बिजली बिलिंग में 'प्रो-राटा' व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे मीटर रीडिंग में देरी का अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। बिजली कंपनियां 30 दिन के बजाय 35 से 40 दिन बाद मीटर रीडिंग लेती थीं, जिसके कारण उपभोक्ताओं की खपत अधिक दिखती थी और वे महंगे टैरिफ स्लैब में पहुंच जाते थे। नए नियम से यदि मीटर रीडिंग निर्धारित अवधि से देरी से होती है तो बिलिंग स्लैब को रीडिंग के दिनों के अनुपात में बढ़ाया जाएगा। उदाहरण के तौर पर, यदि रीडिंग 36 दिन में होती है तो स्लैब भी 36 दिनों के अनुपात में लागू होगा, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

एबीवीपी ने 78वां स्थापना दिवस मनाया

विद्यार्थी केवल भविष्य नहीं, आज का सक्रिय नागरिक है : चेतस सुखाड़िया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर चेतस सुखाड़िया ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, शिक्षा व्यवस्था के विकास और सामाजिक चेतना को मजबूत करने के उद्देश्य से 1949 में परिषद की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि परिषद का मूल मंत्र 'ज्ञान, शील और एकता' विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश देता है। संगठन वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रहित, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, छात्रवृत्ति, शोध और नवाचार जैसे मुद्दों पर कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, खेल, कला और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी परिषद सक्रिय भूमिका निभा रही है। बदलते दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा और नवाचार के बीच विद्यार्थियों में नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व विकसित करना समय की आवश्यकता है।

मेट्रो एंकर

राजा भोज एयरपोर्ट से रोजाना छह नई उड़ानों का संचालन, यात्रियों को मिलेंगे अधिक विकल्प

1 अगस्त से दिल्ली-मुंबई के लिए उड़ान भरेगी एयर इंडिया एक्सप्रेस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। 1 अगस्त से एयर इंडिया एक्सप्रेस भोपाल से अपना नियमित परिचालन शुरू करने जा रही है। इसके तहत दिल्ली और मुंबई के लिए प्रतिदिन कुल छह उड़ानों का संचालन किया जाएगा। यह बदलाव एयर इंडिया समूह के आंतरिक पुनर्गठन के तहत किया जा रहा है, जिसके बाद भोपाल से संचालित होने वाली अधिकांश घरेलू उड़ानें एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में शामिल हो जाएंगी।

हालांकि, दिल्ली-भोपाल-दिल्ली सेक्टर की सुबह की लोकप्रिय उड़ान एआई-1705/एआई-1886 का संचालन पहले की तरह मूल एयर इंडिया कंपनी द्वारा ही जारी रहेगा। नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को दिनभर अलग-अलग समय पर उड़ानों के अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। एयरपोर्ट प्रबंधन का मानना है कि इससे भोपाल की घरेलू हवाई कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

आधुनिक एयरबस ए320 नियो विमानों से होगा संचालन

नई उड़ानों के संचालन के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस अपने आधुनिक और ईंधन दक्ष Airbus A320neo विमानों को तैनात करेगी। इन विमानों में बेहतर ईंधन क्षमता, आधुनिक केबिन सुविधाएं और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध होता है। एयरलाइन का मानना है कि नई तकनीक से लैस इन विमानों के जरिए यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक सफर का अनुभव मिलेगा। साथ ही बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए यह कदम हवाई सेवाओं को और मजबूत करेगा।

टिकट बुकिंग शुरू, वेबसाइट और ऐप पर उपलब्ध सुविधा

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 1 अगस्त से शुरू होने वाली सभी नई उड़ानों के लिए टिकटों की बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। यात्री एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से अपनी सीट आरक्षित कर सकते हैं। नई उड़ानों के शुरू होने से व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और अन्य कार्यों के लिए दिल्ली और मुंबई आने-जाने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा और समय के अनुसार यात्रा विकल्प मिल सकेंगे।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो साल के मासूम की मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में दो साल के एक मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब घर के सामने खेल रही बच्ची के पास ट्रैक्टर को रिवर्स किया जा रहा था। ट्रॉली डाला बच्ची के सिर पर टकराया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए उसे एम्स भोपाल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार ग्राम छान निवासी अजय गौड़ मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उसकी बेटी कीर्ति गौड़ घर के बाद खेल रही थी। इस दौरा गांव का रहने वाला कमल रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर अंदरूनी रास्ते से गुजर रहा था।

पीथमपुर बना 'मेक इन एमपी' का ग्रोथ इंजन

272 करोड़ के निवेश से लिउगोंग का नया प्लांट शुरू, 5 हजार से अधिक को रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा– मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद पीथमपुर बनेगा ग्रीन इंडस्ट्री और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' विजन को मध्यप्रदेश नई गति दे रहा है और पीथमपुर प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा 'ग्रोथ इंजन'बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अगले ढाई वर्षों में औद्योगिक विकास के सभी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा निवेशकों के लिए हर संभव प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लिउगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कंपनी की मौजूदा उत्पादन इकाई के विस्तार का उद्घाटन किया। लिउगोंग इंडिया ने 272 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश से नया प्रोडक्शन प्लांट स्थापित किया है। इस विस्तार के बाद कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3,250 मशीनों से बढ़कर 7,500 मशीनों तक पहुंच जाएगी। नए संयंत्र से 600 प्रत्यक्ष तथा सहायक उद्योगों और सप्लाई चेन के माध्यम से 5,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही भारतीय उद्योगों से खरीदे जाने वाले कंपोनेंट्स की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी, जिससे प्रदेश के एमएसएमई, इंजीनियरिंग और ऑटो कंपोनेंट उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीथमपुर को ग्रीन इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। यहां ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल, टेक्सटाइल और टेक्नोलॉजी क्षेत्र की पूरी औद्योगिक श्रृंखला विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी वैश्विक कंपनी का यहां निवेश करना इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

दो वर्षों में 10 हजार करोड़ का एफडीआई

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दो वर्षों में मध्यप्रदेश को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में ही राज्य को 76,862 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 82 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इसी अवधि में 41,950 करोड़ रुपये के निवेश वाली 166 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जिनसे करीब 50 हजार नए रोजगार मिलने की संभावना है।

पीएम मित्र पार्क -औद्योगिक परियोजनाओं पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीथमपुर पहले से ही ऑटो पार्ट्स उद्योग का प्रमुख केंद्र है, जहां करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है और 4 से 5 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा धार में स्थापित किए जा रहे देश के पहले पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे मालवा–निमाड़ क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों और वस्त्र उद्योग को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में भोपाल के पास स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क, शिवपुरी में डिफेंस निर्माण इकाई, नीमच में नई औद्योगिक परियोजनाएं तथा प्रदेश में कई बड़े निवेश शुरू हुए हैं। इन परियोजनाओं से हजारों नए रोजगार सृजित होंगे और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। लिउगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट ल्यो ग्योबिंग ने कहा कि पीथमपुर का नया संयंत्र कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह प्लांट स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने के साथ रिसर्च एवं निर्माण का वैश्विक केंद्र भी बनेगा।

अभियोजन विभाग के कर्मचारियों का अनोखा खेल

ऑफिस के समय कॉलेज में हाजिरी! ड्यूटी के दौरान लीं नियमित डिग्रियां

- लोक अभियोजन विभाग में बिना छुट्टी लिए 162 कर्मचारियों ने कर ली एलएलबी
- विदिशा और रायसेन में पदस्थापना, पर भोपाल के कॉलेजों में दर्ज थी अटेंडेंस
- 13 सालों से चल रहा था खेल, दफ्तर के काम और कॉलेज की टाइमिंग पर उठे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के लोक अभियोजन विभाग में अगर आप नौकरी कर रहे हैं तो ड्यूटी पर रहते हुए भी नियमित एलएलबी की डिग्री ले सकते हैं। ऐसा कोई नया शासन का आदेश नहीं आया है, लेकिन अभियोजन विभाग में यही चल रहा है। सूचना का अधिकार कानून के तहत सामने आया है कि पिछले 13 वर्षों में विभाग ने अपने 162 कर्मचारियों को बाकायदा ऐसी पढ़ाई की अनुमति दी है। इसमें से कई लोग काम करते हुए ली गई ऐसी डिग्रियों के दम पर तरक्की पाकर अधिकारी बन गए।

दरअसल भोपाल के एक अधिवक्ता शिवपूजन ने कुछ महीनों पहले लोक अभियोजन संचालनालय से सेवा के दौरान एलएलबी करने की अनुमति पाने वाले कर्मचारियों की जानकारी मांगी थी। जवाब में संचालनालय के जन सूचना अधिकारी ने जो दस्तावेज उपलब्ध कराए उसमें संख्या के साथ उनको जारी अनुमति पत्र, अध्ययन का माध्यम, संबंधित महाविद्यालयों की समय सारिणी जैसे जानकारी थी। सामने आया कि ये कर्मचारी ऐसे महाविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे थे जिनमें कक्षाएं कार्यालयीन समय में थीं। उज्जैन और जबलपुर के दो विधि महाविद्यालय ही ऐसे मिले जिनकी समय सारिणी में देर शाम तक कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था दिखी। इन कर्मचारियों ने अध्ययन अवकाश नहीं लिया है। सवाल उठता है कि फिर कार्यालयीन काम के दौरान विभाग के कर्मचारी एलएलबी की नियमित पढ़ाई की अनुमति कैसे पा जा रहे हैं। या तो इन कर्मचारियों ने कार्यालय में काम नहीं किया, या फिर नियमित कक्षाएं नहीं की?

पदस्थापना वाले जिले से बाहर भी कर रहे थे पढ़ाई

दस्तावेजों के मुताबिक विदिशा में पदस्थ एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी का प्रवेश दूसरे जिले के महाविद्यालय में नियमित पढ़ाई के लिए हुआ है। इसी तरह रायसेन सहित कुछ अन्य जिलों के कर्मचारियों के भोपाल और दूसरे शहरों के विधि महाविद्यालयों से नियमित पढ़ाई के दस्तावेज हैं।

यह कहता है बीसीआई

एलएलबी का नियमित पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 30 सप्ताह और प्रति सप्ताह न्यूनतम 30 घंटे की कक्षाएं अनिवार्य।
प्रत्येक सेमेस्टर की परीक्षा में बैठने के लिए 70 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य।
मूट कोर्ट, प्रायोगिक प्रशिक्षण, प्रोफेशनल एथिक्स, ड्राफ्टिंग, प्लीडिंग, कन्वेन्सिंग और अनिवार्य इंटर्नशिप भी पाठ्यक्रम का हिस्सा।
(बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) का लीगल एजुकेशन रूल्स, 2008)

कर्मचारी नियमित एलएलबी कर रहे हैं तो इसमें दिक्कत क्या है। काम के समय के बाद वे पढ़ाई कर सकते हैं।

बीएल प्रजापति, संचालक लोक अभियोजन

सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा अभियान का समापन

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 24 जून से 08 जुलाई 2026 तक संचालित 15 दिवसीय प्रदेशव्यापी सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान का आज नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा रहे। समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर) ए. साईं मनोहर, पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, सामुदायिक पुलिस सदस्य, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने कहा कि जनवरी 2025 में अधिकारियों को दिए गए नववर्ष संदेश में उन्होंने तीन प्रमुख चुनौतियों– साइबर अपराध, नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता तथा सड़क सुरक्षा–को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निरंतर जन-भागीदारी आधारित अभियान संचालित करने का आह्वान किया था।

ओरछा से भाजपा फूंकेगी चुनावी बिगुल

पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक में तय होगी संगठन की नई रणनीति

- हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में पहली बड़ी बैठक
- बूथ से लेकर राजनीतिक अभियान तक बनेगा रोडमैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश भाजपा की नजर अब संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक अभियानों की तैयारी पर है। इसी रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक 18 और 19 जुलाई को धार्मिक नगरी ओरछा में आयोजित की जाएगी। रामराजा सरकार की पावन नगरी में होने वाली यह बैठक कई मायनों में खास मानी जा रही है, क्योंकि यह प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में आयोजित होने वाली पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक होगी। बैठक में प्रदेशभर से पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला और संभाग प्रभारी, विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष तथा प्रकोष्ठों के संयोजक शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में संगठन के भविष्य की दिशा तय करने के साथ आगामी राजनीतिक गतिविधियों का खाका भी तैयार किया जाएगा।

भाजपा की इस अहम बैठक में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, नए सदस्यों को जोड़ने, संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी नेतृत्व का लक्ष्य हर बूथ को मजबूत और सक्रिय बनाकर संगठनात्मक ढांचे को और प्रभावी बनाना है।

प्रदेशभर से जुटेंगे सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता

बैठक में 106 प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, 41 स्थायी आमंत्रित सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी, संभाग एवं जिला प्रभारी, विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष और प्रकोष्ठों के संयोजक भाग लेंगे। वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार–विमर्श होगा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। भाजपा का कहना है कि ओरछा में होने वाली यह बैठक केवल संगठनात्मक समीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कार्यकर्ताओं को भविष्य के कार्यक्रमों और अभियानों के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश भी दिए जाएंगे। साथ ही जनसेवा, राष्ट्रसेवा और संगठन विस्तार के संकल्प को और मजबूत करने का संदेश भी दिया जाएगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ओरछा की यह कार्यसमिति बैठक प्रदेश भाजपा के लिए संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यहां लिए जाने वाले निर्णय आने वाले महीनों में पार्टी की गतिविधियों और जनसंपर्क अभियानों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इंदौर में कचरा बनेगा कमाई का खजाना, वेस्ट से तैयार होंगे उपयोगी उत्पाद

इंदौर। घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा अब केवल निस्तारण का विषय नहीं रहेगा, बल्कि उससे उपयोगी और टिकाऊ उत्पाद भी तैयार किए जाएंगे। इंदौर की ग्राम पंचायत काली बिल्लोद स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में जल्द ही आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी, जिनकी मदद से प्लास्टिक एवं अन्य ठोस कचरे को प्रोसेस कर टेबल, कुर्सियां, दरवाजे, खिड़कियां सहित कई उपयोगी वस्तुएं बनाई जाएंगी। इस पहल से जहां कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन होगा, वहीं ग्राम पंचायतों के लिए आय का नया स्रोत भी विकसित होगा।काली बिल्लोद स्थित एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में कचरे के निपटान के साथ रिसाइकलिंग की योजना तैयार की गई है।बीते माह केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की संयुक्त सचिव ऐश्वर्या सिंह ने इस इकाई का दौरा किया था। उन्होंने प्लांट के संचालन, कचरा संग्रहण, प्रसंस्करण और निपटान की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा प्रस्तावित नई तकनीक और मशीनों की जानकारी लेकर इस पहल को सराहा था।

दतिया उपचुनाव...तीन दिन में नौ दावेदारों ने खरीदे फॉर्म

भाजपा ने नरोत्तम मिश्रा ने ठोकी ताल लिया नामांकन पत्र, चर्चाएं हुईं शुरू

दतिया, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक पारा अचानक चढ़ गया। नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा के नामांकन पत्र खरीदते ही जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। इसे उनकी संभावित उम्मीदवारी का बड़ा संकेत माना जा रहा है।

कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र खरीदा। उनके साथ समर्थकों की भीड़ भी मौजूद रही। हालांकि नियमों के अनुसार नामांकन पत्र खरीदना अंतिम उम्मीदवारी नहीं होती, लेकिन सियासी गलियारों में इसे उनकी दावेदारी की पहली औपचारिक सीढ़ी माना जा रहा है। बता दें कि दतिया सीट भाजपा का गढ़ रही है। डॉ. मिश्रा यहां से कई बार विधायक और मंत्री रह चुके हैं। हालांकि पार्टी ने अभी आधिकारिक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। बुधवार को डॉ. मिश्रा के अलावा तीन अन्य नेताओं ने भी नामांकन पत्र उठाए। इनमें छतरपुर से बालकिशन विश्वकर्मा, दमोह से वेदराम कुर्मी और हंसमुखी लोधी शामिल हैं। इससे पहले दो दिन में पांच अन्य संभावित उम्मीदवार फॉर्म ले चुके हैं। यानी अब तक नौ लोग मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। लेकिन किसी भी दल ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं। दतिया विधानसभा सीट पर कब्जे को लेकर दोनों प्रमुख दलों में मंथन चल रहा है।

भारती की सदस्यता खत्म होने से खाली हुई सीट

दतिया सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता समाप्त होने के बाद खाली हुई थी। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को हराया था। राजेंद्र भारती की सदस्यता एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि के बाद समाप्त हुई। यह मामला वर्ष 1998 का है। आरोप था कि उनकी मां के नाम से संचालित संस्था की बैंक एफडी को नियमों के विपरीत बढ़ाकर उससे राशि निकाली गई। अदालत ने इसे बैंक धोखाधड़ी का मामला मानते हुए सजा सुनाई। हालांकि, बचाव पक्ष का कहना है कि मामला बेहद पुराना है और इसके पीछे राजनीतिक कारण भी हैं। इस मामले में उनकी याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

सिंहस्थ-2028 से पहले बनेगा उज्जैन-झालावाड़ मेगा फोरलेन

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर को मिलेगी मजबूती

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 से पहले मालवा और हाड़ौती की सड़क कनेक्टिविटी को नई गति मिलने जा रही है। उज्जैन से राजस्थान के झालावाड़ तक बनने वाले 160 किलोमीटर लंबे मेगा फोरलेन प्रोजेक्ट के टेंडर को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई है। अब शीघ्र ही वर्क आर्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसकी पुष्टि उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने की है।

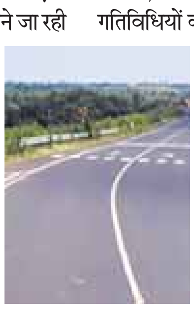

करीब 2721 करोड़ 72 लाख रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने से उज्जैन, आगर, सुसनेर और झालावाड़ के बीच यात्रा न केवल तेज और सुरक्षित होगी, बल्कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच व्यापार, धार्मिक पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान और हाड़ौती क्षेत्र से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह मार्ग प्रमुख प्रवेश द्वार साबित होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परियोजना को दो पैकेजों में तैयार किया है। पहले पैकेज में खिलचीपुरा गांव से आकली-काड़िया तक 86.5 किलोमीटर सड़क का फोरलेन निर्माण किया जाएगा, जिसकी लागत 1462 करोड़ 19 लाख रुपये है।

मेट्रो एंकर

इंदौर जू में देश का पहला अनोखा प्रयास

डिजिटल तकनीक से मिलेगा असली जंगल सफारी का रोमांच

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के वन्य प्राणी संग्रहालय में आने वाले दिनों में शहरवासियों को डिजिटल तकनीक के माध्यम से जंगल और वन्यजीवन का अनोखा अनुभव मिलेगा। नगर निगम द्वारा जू परिसर में अत्याधुनिक 14ष्ठ थिएटर का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका कार्य अंतिम चरण में है। निर्माण पूरा होने के बाद यह सुविधा आम लोगों के लिए शुरू कर दी जाएगी।

40 सीटों वाले इस थिएटर में दर्शकों को फिल्म देखने के लिए वीआर (वर्चुअल रियलिटी) चश्मे दिए जाएंगे। साथ ही दृश्य के अनुसार सीटें ऊपर-नीचे और आगे-पीछे हिलेंगी। सराउंड साउंड सिस्टम के जरिए ऐसा अनुभव होगा, मानो जंगली जानवर बिल्कुल आसपास मौजूद हों।

मनोरंजन के साथ वन्यजीवन की रोचक जानकारी भी मिलेगी– थिएटर में एक साथ 14 विशेष प्रभावों का अनुभव कराया जाएगा। इसमें तेज हवा, बारिश की फुहार, कंपन, सीटों की गति, रोशनी, धुंध और दृश्य के अनुसार खुशबू जैसे प्रभाव शामिल होंगे। दर्शकों को जंगल सफारी का वास्तविकता के करीब अनुभव मिलेगा। फिल्म के साथ बारिश, हवा, जंगल, वन्यजीव और रोलर कोस्टर जैसे रोमांचक प्रभाव भी महसूस कराए जाएंगे। इससे बच्चों और बड़ों को मनोरंजन के साथ वन्यजीवन की रोचक जानकारी भी मिलेगी।

डिजिटल गार्डन और होलोग्राम जू भी होंगे आकर्षण– थिएटर के साथ डिजिटल गार्डन, डिजिटल भूलभुलैया और डिजिटल एक्सपीरियंस जोन भी विकसित किया गया है। यहां आधुनिक तकनीक के जरिए शिक्षा, मनोरंजन और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। इसके अलावा होलोग्राम जू, कृत्रिम वाटरफॉल, आधुनिक कैफेटेरिया और गोरिल्ला थीम वाला प्रवेश द्वार भी प्रमुख आकर्षण होंगे। गोरिल्ला फेस थीम वाला प्रवेश द्वार अभी से सेल्फी प्वाइंट के रूप में लोगों को आकर्षित कर रहा है।

मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को पीपीपी मॉडल पर तैयार परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि परियोजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य जल्द पूरे किए जाएंगे। इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में किया जाएगा। उनके अनुसार यह 14D थिएटर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश में भी डिजिटल जू और वर्चुअल जंगल अनुभव की नई पहल साबित होगा।

युद्ध की आग के गंभीर नतीजे

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर चेतावनी है। पश्चिम एशिया दशकों से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे संवेदनशील क्षेत्र रहा है। ऐसे में यदि युद्ध की आशंका फिर गहराती है तो उसका असर तेल की कीमतों, समुद्री व्यापार, शेयर बाजारों और आम आदमी की जेब तक पहुंचना तय है।

चिंता की बात यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और कूटनीति की जगह शक्ति प्रदर्शन और एकतरफा निर्णयों का चलन बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक विदेश नीति और सैन्य कार्रवाई की प्रवृत्ति ने कई बार यह संदेश दिया है कि वैश्विक संस्थाओं और सामूहिक सहमति से अधिक महत्व तात्कालिक राजनीतिक निर्णयों को दिया जा रहा है। यदि महाशक्तियां इसी राह पर चलती रहीं तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और अधिक अस्थिर होगी।

युद्ध का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। कच्चे तेल के दाम बढ़ते ही परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और महंगाई आम नागरिक का जीवन कठिन बना देती है। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और भी गहरा होता है क्योंकि उन्हें ऊर्जा आयात पर अधिक खर्च करना पड़ता है। निवेशक भी अनिश्चितता के माहौल में पूंजी निकालने लगते हैं, जिससे वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आता है। दुनिया अभी भी महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, बढ़ती महंगाई और सुस्त विकास दर से पूरी तरह उबर नहीं पाई है। ऐसे समय में नया सैन्य संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर संकट की ओर धकेल सकता है। यह समय हथियारों की होड़ बढ़ाने का नहीं, बल्कि विश्वास बहाली और संवाद को प्राथमिकता देने का है।

इतिहास बताता है कि युद्ध अंततः किसी की स्थायी जीत नहीं लाता, लेकिन आर्थिक नुकसान और मानवीय त्रासदी सबको भुगतनी पड़ती है। इसलिए अमेरिका, ईरान और अन्य वैश्विक शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे संयम बरतें, कूटनीतिक रास्तों को मजबूत करें और ऐसे कदमों से बचें जो पूरी दुनिया को एक नए आर्थिक और भू-राजनीतिक संकट में धकेल दें।

जीवन का मुख्य आधार है जल, संरक्षण के लिए कारगर नीति की जरूरत

अरुण कुमार दीक्षित
स्तंभकार

जल अमृत है। जल को प्राण कहा गया है। जल प्रत्येक प्राणी के लिए अपरिहार्य है। प्रत्येक प्राणी जल पर निर्भर है। सम्पूर्ण विश्व में पेयजल की कमी हो रही है। नदियों का जल घट रहा है। जल स्रोत सूख रहे हैं। विश्व का तापमान बढ़ा है। तापमान बढ़ने से ऋतु चक्र में परिवर्तन हो रहा है। कहीं अत्यधिक गर्मी है कहीं पर अतिवृष्टि तो कही शीत से लोग पीड़ित हैं।

मानसून ने बड़ी प्रतीक्षा कराई। मानसून शब्द अरबी भाषा के मौसम शब्द से लिया गया है। इसका अर्थ मौसम या ऋतु होता है। यह शब्द मुख्य रूप से अरब सागर में हवा की दिशा में होने वाले बदलावों के लिए प्रयोग किया जाता है। ऋतु शब्द संस्कृत का है। यह वैदिक संस्कृत से लिया गया है। इसका अर्थ यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठान से है। भारतीय दर्शन में ऋतु में छह हैं। बसंत ऋतु की बड़ी महिमा बताई गई है। इसे ही ऋतुओं का राजा कहा गया है। इसके बाद ग्रीष्म ऋतु है। वर्षा ऋतु मोहक होती है। किसान अपनी खेती की तैयारी में लग जाते हैं। इसके बाद हेमंत ऋतु। फिर शिशिर ऋतु। इसी तरह शब्द है ऋत। कई बार ऋत को ऋतु और ऋतु को ऋत कह दिया जाता है। ऋत वैदिक दार्शनिक अवधारणा है। यह प्रकृति का शाश्वत अनुशासन है। ऋतु एक चक्र है। मौसम है।

जल जीवन का मुख्य आधार है। ऋग्वेद में जल को आपः कहकर दिव्य चेतना और प्राण शक्ति कहा गया है। जल मात्र भौतिक तत्व नहीं है। यह माँ के समान पालक भी है। जल के देवता वरुण हैं। ऋग्वेद में कहा गया है कि, जल में सभी रोगों को दूर करने की क्षमता है। जल के देवता वरुण ब्रम्हांड के नियमों (ऋत) को बनाए रखते हैं। पर्जन्य देव वर्षा बादल बिजली के देव हैं। जल का दार्शनिक वर्णन उपनिषदों में किया गया है। छांदोग्य उपनिषद में जल को प्राण और ईश्वर के निकट माना गया है। जल ही अन्न और जीवन है। महर्षि उद्दालकअपने पुत्र श्वेतकेतु को समझाते हैं कि जल के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है। जल न हो तो अन्न नहीं होगा। बिना अन्न के जीवन नहीं हो सकता। कहा कि जल में ईश्वरीय तत्व होता है। जैसे जल में नमक घुला हो वह अदृश्य रहता है लेकिन बूंद में स्वाद होता है। वैसे ही निराकार जीवों में सभी जगह और हर जीव में व्याप्त है। अथर्ववेद में जल को 'शिवोतम' रस कहा गया है। सामवेद में जल को सोमजल कहा गया है। रामचरितमानस में जल पंच महाभूतों में आधार है।

गीता में श्रीकृष्ण ने जल की महिमा को ईश्वरीय ऊर्जा कहा है। सर्वव्यापी सत्ता के रूप में कहा है। वे कहते हैं प्रकृति का हर रूप अंतत उन्ही का विस्तार है। श्रीकृष्ण ज्ञान विज्ञान योग के सातवें अध्याय के आठवें श्लोक में कहते हैं- हे अर्जुन, मैं जल में रस (स्वाद) हूँ। सूर्य और चंद्रमा का प्रकाश हूँ। यहां श्रीकृष्ण कह रहे हैं कि जल न केवल माध्यम है बल्कि मनुष्य की प्यास बुझाने वाली तृप्ति है (स्वाद है)। वह साक्षात परमात्मा का रूप है। गीता में सीधे जल के भौतिक गुणों की पूजा करने की जगह उसके आध्यात्मिक महत्व को समझाया गया है। जल जीवन की दिव्यता है। जल जीवन का आधार है। जल संपूर्ण सृष्टि की उत्पत्ति का मूल आधार है। गीता और हिंदू दर्शन में जल को (नारायण) कहा गया है। अयन या निवास जिसका रूप माना गया है। हम सबको जल को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना चाहिए। हम सबकी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी है। बताया जाता है कि पृथ्वी में 3 प्रतिशत पेयजल है। इसी तीन प्रतिशत में जमी बर्फ, ग्लेशियर भी हैं। शेष जल समुद्री खारा है।

पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व में नदियों-झीलों का जल पीने योग्य होता था। अब नहीं। वर्ष 90 और 95 तक कुओं से पानी मिलता रहा है। इससे पूर्व सैकड़ों शताब्दियों से कुओं का खुदवाया जाना, ईश्वरीय पुण्य का कार्य माना जाता था। तब के कालखंड में राजा भी कुएं बनवाते थे। यह कार्य सिर्फ मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं था। दुर्गम और पहाड़ी पथरीले क्षेत्र में भी राजाओं और संपन्न लोगों द्वारा कुएं बनवाये जाते थे। कुओं से पेयजल के साथ सिंचाई भी होती थी। सिंचाई के लिये कुओं से पानी निकालने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। पानी निकालने वाला पात्र चमड़े का होता था। उसे 'पुर' कहा जाता था। कई क्षेत्रों में सिंचाई के पानी को कुओं से निकालने के लिए चरखा (डिब्बे) वाला प्रयोग होता था। यह प्राचीन काल की बातें नहीं हैं। आधुनिक और स्वतंत्र भारत में भी होता था।

आज स्थिति भयावह है। गांव में भी बोतलबन्द पानी बिक रहा है। 20 रुपये किलो गेहूं है, 20 रुपये की ही पानी की 1 लीटर की बोतल है। कहीं खरीदो, कहीं पियो। कहीं फेंको। प्लास्टिक बोतलों, डिब्बों, थैलियों को आधुनिक प्रगतिशील पर्यटनवादी भारतीयों ने हिमालय सहित सभी पवित्र पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंचाने का महती काम किया है। प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालने की कार्रवाई जारी है। जल स्रोतों तक प्लास्टिक पहुंच गई है। जलीय जीवों के पेट में तो प्लास्टिक है ही। गायों व अन्य जीवों के पेट में प्लास्टिक घुस गई है। जानवर मर रहे हैं। वैज्ञानिक सचेत कर रहे हैं। पहले प्लास्टिक की बोतलों में दवा आई। फिर पानी आया। फिर पाउच में पानी और दारू भी आई। अब तो दारू भी प्लास्टिक बोतल में बिक रही है। बोतलों का उत्पादन बढ़ा है। प्लास्टिक सम्पूर्ण मानवता का अतिरिक्त नुकसान कर रही है। प्लास्टिक शहर से गांव पहुंची। नगर के साथ गांव में प्लास्टिक कचरा बढ़ा है। शहरों ने तालाबों को निगल लिया। गांव के तालाबों को प्लास्टिक निगल रही है। ट्रकों प्लास्टिक तालाबों में भारी पड़ी है। तालाब झील पट रहे हैं। कुआं खत्म होकर पुरातात्विक हो गए। तालाब, झीलें, नदियां सूख रहे। समुद्री तटीय महानगरीय क्षेत्र कूड़ा से पटे पड़े हैं। इसके बावजूद दावा है महानगरीय अतिरिक्त सभ्य हैं। प्रगतिशील हैं। वह इंडियन भी हैं। सरकारें पॉलिथीन नहीं रोक पा रहीं। उसकी फैक्ट्रियां बढ़ी हैं।

जिस देश के लोग गेहूं-चावल बेचकर पानी पीने को मजबूर हों। वह मरे समाज ही कहे जाएंगे। मरा ही समझो। रहीम ने कहा रहिमन पानी राखिए। बिन पानी सब सून। जल संरक्षण के लिए समाज और सरकार दोनों को आगे आना होगा। जल संरक्षण न के बराबर है। जल संचयन की सरकारी बैठकें बेमतलब हैं। अच्छा होता जल संरक्षण, संचयन को बढ़ावा दिया जाता। जागरूकता लाने का काम किया जाता। मजबूत जल नीति जनहितकारी बनाया जाना लोकहित होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बांग्लादेश की बदलती सैन्य सोच और भारत के सामने सुरक्षा की नई चुनौती

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय में भारत की निर्णायक भूमिका रही थी। दोनों देशों ने दशकों तक सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया। किंतु पिछले कुछ समय से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, उसकी सैन्य सोच और विदेश नीति में दिखाई दे रहे बदलावों ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। विशेष रूप से बांग्लादेशी सेना में धार्मिक प्रतीकों और इस्लामी पहचान को अधिक प्रमुखता देने की खबरों ने भारत सहित पूरे क्षेत्र का ध्यान आकर्षित किया है।

हाल के घटनाक्रमों के अनुसार बांग्लादेशी सेना की कुछ नई बटालियनों का नाम इस्लामी इतिहास के शुरुआती खलीफाओं के नाम पर रखा गया है और सेना के पारंपरिक राष्ट्रवादी नारों के स्थान पर धार्मिक नारों को महत्व दिए जाने की चर्चा भी सामने आई है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो यह केवल सैन्य परंपरा का परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि बांग्लादेश की बदलती वैचारिक दिशा का संकेत भी माना जाएगा। किसी भी सेना का चरित्र केवल उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, प्रतीकों और प्रशिक्षण से भी निर्धारित होता है।

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामी संगठनों और धार्मिक समूहों का प्रभाव बढ़ने की चर्चा लगातार हो रही है। लंबे समय तक अवामी लीग ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद और जय बांग्ला की भावना को राष्ट्रीय पहचान का आधार बनाया था। अब यदि सेना के भीतर धार्मिक पहचान को अधिक महत्व दिया जा रहा है तो यह उस वैचारिक परिवर्तन का हिस्सा माना जा सकता है जो देश की राजनीति और समाज में भी दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की इस बदलती सोच के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। पहला कारण घरेलू राजनीति है। किसी भी देश की सरकार और सत्ता प्रतिष्ठान अपने समर्थक सामाजिक वर्गों को संतुष्ट करने के लिए कई बार सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करते हैं। यदि इस्लामी संगठनों का प्रभाव बढ़ता है तो सेना सहित अन्य संस्थाओं पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक माना जाता है। दूसरा कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन है। बांग्लादेश आज चीन और पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास इसी रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। इससे वह अपने रक्षा विकल्पों को व्यापक बनाना चाहता है ताकि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता न रहे।

तीसरा कारण भारत के साथ कुछ पुराने और नए विवाद भी हैं। सीमा पर अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा, जल बंटवारा, व्यापारिक असंतुलन तथा राजनीतिक बयानबाजी जैसे मुद्दों ने समय-समय पर दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक और धार्मिक समूह भारत विरोधी भावनाओं को घरेलू राजनीति में समर्थन जुटाने के लिए भी इस्तेमाल करते रहे हैं। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा बांग्लादेश या उसकी पूरी जनता भारत विरोधी है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक, बुद्धिजीवी और व्यापारी भी हैं जो भारत के साथ अच्छे संबंधों को अपने देश के हित में मानते हैं।

भारत के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का है। यदि भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट सैन्य गतिविधियां बढ़ती हैं या सीमा क्षेत्रों में तनाव का वातावरण बनता है तो उसका सीधा प्रभाव असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। भारत पहले ही सीमा पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, बाड़ और सुरक्षा बलों की तैनाती को मजबूत कर चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की उकसाने वाली गतिविधि या घुसपैठ की संभावना पर स्वाभाविक रूप से गंभीर नजर रखी जाएगी। अवैध घुसपैठ भी लंबे समय से भारत के लिए एक संवेदनशील विषय रही है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सख्त बनाया है और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। इस कारण दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए पूरे समुदाय या पूरे देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होता। सीमा सुरक्षा और कानून का पालन दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है। जहां तक मुस्लिम खलीफाओं के नाम पर सैन्य इकाइयों के गठन का प्रश्न है, इसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। समर्थकों का तर्क हो सकता है कि यह केवल धार्मिक और ऐतिहासिक प्रेरणा का विषय है, जबकि आलोचक इसे सेना के बढ़ते वैचारिक और धार्मिक झुकाव के रूप में देखते हैं। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह देखना आवश्यक होगा कि भविष्य में बांग्लादेश की सैन्य नीति, प्रशिक्षण और व्यवहार किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। भारत के लिए इस समय सबसे उपयुक्त नीति सतर्कता और संयम की होगी। मजबूत सीमा सुरक्षा, आधुनिक खुफिया तंत्र, प्रभावी कूटनीति और आर्थिक सहयोग के माध्यम से ही क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखी जा सकती है। पड़ोसी देश बदले नहीं जा सकते, इसलिए दीर्घकालिक समाधान टकराव नहीं बल्कि संतुलित संबंधों में ही निहित है। साथ ही भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर पहलू पर पूरी तैयारी और सावधानी बनाए रखनी होगी।

बांग्लादेश की वर्तमान नीति को केवल भारत विरोध के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। उसके निर्णयों के पीछे घरेलू राजनीति, इस्लामी दलों का बढ़ता प्रभाव, बदलता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन, चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ते रक्षा संबंध तथा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति स्थापित करने की इच्छा जैसे अनेक कारक भी काम कर रहे हैं। फिर भी यदि धार्मिक पहचान को सैन्य संरचना का प्रमुख आधार बनाया जाता है और सीमा क्षेत्रों में अनावश्यक आक्रामक संदेश दिए जाते हैं, तो इससे अविश्वास बढ़ सकता है और दक्षिण एशिया की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

भारत और बांग्लादेश दोनों का भविष्य शांति, सहयोग और पारस्परिक सम्मान में ही सुरक्षित है। इतिहास ने दोनों देशों को एक-दूसरे का स्वाभाविक पड़ोसी बनाया है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि मतभेदों को संवाद से सुलझाया जाए, सीमा सुरक्षा को मजबूत रखा जाए और किसी भी प्रकार के कट्टरपंथ या उग्र राष्ट्रवाद को क्षेत्रीय शांति पर हावी न होने दिया जाए। यही नीति दोनों देशों तथा पूरे दक्षिण एशिया के दीर्घकालिक हित में होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

चलने का तरीका बदलकर मिल सकती है अर्थराइटिस के दर्द से राहत

घुटनों का गठिया दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए दर्द और चलने-फिरने में परेशानी का कारण बनता है। आमतौर पर डॉक्टर इसका इलाज पेन किलर, फिजियोथेरेपी और गंभीर मामलों में सर्जरी से करते हैं। लेकिन, हाल ही विशेषज्ञों ने लंबी स्टडी के जरिए गठिया के दर्द को कम करने का एक सरल तरीका सुझाया है। रिसर्चर ने पाया कि चलने के दौरान पैरों के कोण में छोटा-सा बदलाव घुटनों पर पड़ने वाले दबाव को कम कर सकता है। एमआरआई की जांच में यह भी पाया गया कि यह बदलाव घुटनों के कार्टिलेज को होने वाले नुकसान को भी धीमा करने में मदद कर सकता है।

चलते समय व्यक्ति के शरीर का अधिकतम भार घुटनों के जोड़ पर पड़ता है। चलने के दौरान यह भार घुटनों को अलग-अलग हिस्सों पर पड़ता है। घुटने के अंदरूनी हिस्से पर अधिक दबाव पड़ने से ऑस्टियोआर्थराइटिस तेजी से बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पैरों को थोड़ा अंदर (Toe-In) या थोड़ा बाहर (Toe-Out) करके चलने से घुटने के प्रभावित हिस्से पर पड़ने वाला दबाव कम किया जा सकता है। हालांकि यह बदलाव हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है। सामान्य रूप से व्यक्ति चलते समय पैरों को हल्का बाहर की ओर रखते हैं। लेकिन, स्टडी में पाया गया कि क्या पैर की गति के कोण में बदलाव और घुटने के मध्य भाग के ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्तियों में घुटने के एडक्शन मोमेंट को कम करने से जोड़ों का दबाव कम होता है। स्टडी में घुटने के मध्य भाग के ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित 107 व्यक्तियों को बायोफीडबैक के अनुसार उनके द्वारा चुने गए कोण के आधार पर 5ए और 10ए तक पैर की उंगलियों को अंदर की ओर और बाहर की ओर मोड़ने के लिए कहा गया।इस तकनीक को फुट प्रोग्रेशन एंगल मॉडिफिकेशन कहा जाता है। इसका उद्देश्य घुटने के उस हिस्से पर दबाव कम करना है जहां गठिया की वजह से अधिक क्षति हो रही होती है।

एक रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल में विशेषज्ञों की टीम ने करीब 68 प्रतिभागियों को अध्ययन में शामिल किया था। इन सभी प्रतिभागियों को हल्के से मध्यम स्तर का घुटनों में गठिया की समस्या थी। ट्रायल में प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह निर्धारित किया गया कि उसे पैर अंदर की ओर या बाहर की ओर रखकर चलना चाहिए। कुछ लोगों को 5 डिग्री और कुछ को 10 डिग्री का बदलाव सुझाया गया। करीब छह सप्ताह तक प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

निशाना

दिल्ली -विल्ली सब ले लो..!

बसंत शर्मा

स्वच्छ-सरल मन दे दो मुझको।
फिर से बचपन दे दो हमको।
तपता है मन जेठ सरीखा,
रिमझिम सावन दे दो मुझको।
गगन चूमते फ्लैट रखो तुम,
झूला आँगन दे दो मुझको।
हर पल आए काम किसी के,
ऐसा जीवन दे दो मुझको।
दे दो गाँवों की खुशहाली,
हरे-भरे वन दे दो मुझको।
केवल उसकी खातिर धड़के,
ऐसी धड़कन दे दो मुझको।
दिल्ली-विल्ली सब ले लो तुम,
बस वृन्दावन दे दो मुझको।

फ्यूचर प्लानिंग

AI को 'नैतिकता' सिखाएंगे दर्शनशास्त्र के एक्सपर्ट, खास लोगों की हो रही है भर्ती

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच अब बड़ी टेक कंपनियां सिर्फ इंजिनियरों और वैज्ञानिकों पर निर्भर नहीं हैं। गूगल DeepMind और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां दर्शनशास्त्र के विशेषज्ञों को भी अपनी टीम में शामिल कर रही हैं। इनकी भूमिका AI विकसित करना नहीं, बल्कि यह तय करना है कि ढ्ढ का व्यवहार कैसा हो, वह फैसले किन मूल्यों के आधार पर ले और उससे जुड़े संभावित जोखिमों को कैसे कम किया जाए।

विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे AI इंसानों की तरह बातचीत करने और फैसले लेने में सक्षम होता जा रहा है, वैसे-वैसे यह तय करना भी जरूरी हो गया है कि ऐसे सिस्टम किस तरह व्यवहार करें और भविष्य में अगर AI और ज्यादा सक्षम हो जाए तो उसके लिए क्या नियम होने चाहिए। समाज को सही दिशा देने के लिए दार्शनिकों की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा होगी। DeepMind में काम कर रहे दार्शनिक नैतिकता, राजनीति, विज्ञान, चेतना और पशु व्यवहार जैसे विषयों के एक्सपर्ट हैं। उनकी जिम्मेदारी इंजिनियरिंग और प्रोडक्ट टीमों के साथ मिलकर यह तय करना है कि AI के नए फीचर लोगों पर क्या असर डाल सकते हैं और संभावित जोखिमों को कैसे कम किया जाए। वे ऐसे सुझाव भी देते हैं जिन्हें कंपनियां अपने AI सिस्टम में लागू कर सकें। न्यू यॉर्क टाइम्स के मुताबिक, Anthropic की प्रमुख रिसर्चर अमांडा आस्केल ने Claude AI के लिए एक विस्तृत नियम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शुरुआत में यह नियम संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार घोषणा-पत्र और अन्य सिद्धांतों पर आधारित था, लेकिन अब इसे ऐसे मूल्यों के आधार पर विकसित किया जा रहा है, जिससे AI नई परिस्थितियों में भी संतुलित और जिम्मेदार फैसले ले सके।

AI से जुड़े दार्शनिकों और शोधकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग यह भी जांच रहा है कि क्या भविष्य में AI किसी तरह की चेतना विकसित कर सकता है। इसी उद्देश्य से रॉबर्ट लॉन्ग ने 'एलियोस AI रिसर्च' नाम की गैर-लाभकारी संस्था बनाई है। यह संस्था AI मॉडल का अध्ययन करके यह समझने की कोशिश करती है कि उनमें अपनी पसंद, आत्मविश्लेषण या स्थायी सोच जैसे गुण दिखाई देते हैं या नहीं। एलियोस ने Claude AI मॉडल का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया।

अजब - गजब

सदियों पहले गुम हुई इंग्लैंड के राजा की समाधि, अब पार्किंग के नीचे मिली बॉडी!

इंग्लैंड के सबसे महान राजाओं में शुमार किंग अल्फ्रेड द ग्रेट की समाधि सदियों बाद आखिरकार मिल गई है। यूनाइटेड इंग्लैंड के पहले राजा माने जाने वाले अल्फ्रेड की हड्डियां विनचेस्टर में एक कार पार्किंग के नीचे मिली हैं। हिस्टोरिकल रिसर्चर ग्राहम फिलिप्स ने 13 साल की लगातार मेहनत के बाद यह बड़ी खोज की है।

किंग अल्फ्रेड की 899 ईस्वी में मृत्यु हो गई थी। उनकी समाधि शुरू में विनचेस्टर कैथेड्रल में थी। 1110 में इसे हाइड एबे में स्थानांतरित किया गया था। 1539 में मठों के विघटन के बाद एबे नष्ट हो गया और समाधि गुम हो गई। 1866 में वहां वर्कहाउस बनाने के दौरान कुछ हड्डियां मिलीं, जिन्हें अल्फ्रेड की मानकर पास की चर्च में दफन कर दिया गया। लेकिन 2013 में जब उन हड्डियों की जांच हुई तो पता चला कि वे अल्फ्रेड की नहीं हैं, बल्कि 200 साल बाद की हैं। इसके बाद ग्राहम फिलिप्स ने अल्फ्रेड की असली समाधि ढूंढने की ठान ली।

तेरह साल बाद मिली सफलता: 13 साल की इस मुहिम में उन्होंने पुराने दस्तावेजों, पुरातात्विक साक्ष्यों और ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स का गहन अध्ययन किया। अब उनका दावा है कि अल्फ्रेड की हड्डियां मौजूदा कार पार्किंग से महज 20 गज की दूरी पर हैं। हैरानी की बात यह है कि ठीक इसी तरह 2012 में किंग रिचर्ड 3 की हड्डियां भी एक पार्किंग लॉट में मिली थीं। ग्राहम फिलिप्स ने कहा, 'बिज़ारली, रिचर्ड 3 की तरह अल्फ्रेड की हड्डियां भी कार पार्किंग के नीचे हैं।' विनचेस्टर सिटी काउंसिल ने हाइड एबे वाली जगह को अब बगीचे में बदल दिया है। यहां अल्फ्रेड, उनकी पत्नी और बेटे की समाधियों को चिन्हित करने वाले पत्थर लगे हैं। लेकिन असली हड्डियां इन स्लैब्स से थोड़ी दूरी पर हो सकती हैं।

महत्वपूर्ण हैं ये राजा: यह खोज इंग्लैंड के इतिहास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। किंग अल्फ्रेड को इंग्लैंड को एकजुट करने वाला पहला राजा माना जाता है। उन्होंने विकिंग आक्रमणों से देश की रक्षा की, शिक्षा को बढ़ावा दिया और कानून व्यवस्था सुधारी। उन्हें 'एल्फ्रेड द ग्रेट' की उपाधि मिली है। ग्राहम फिलिप्स की इस खोज को ब्रिटिश टीवी सीरीज 'वीयर्ड ब्रिटेन' में 8 जुलाई को दिखाया जाएगा। इसमें पहली बार इस लोकेशन का खुलासा किया जाएगा।

न्यूज विंडो

खाद वितरण में लापरवाही पर दो समिति प्रबंधक निलंबित

नर्मदापुरम। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक नर्मदापुरम ने दो समिति प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर की गई दैनिक समीक्षा के दौरान सामने आई अनियमितताओं के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार शाखा मुख्य पिपरिया अंतर्गत रामपुर एवं मटकुली समिति में पदस्थ समिति प्रबंधक सुश्री गरिमा बिलासपुरिया तथा शाखा शिवपुर अंतर्गत भैसादेह, पगढाल और बिसौनीकलां समितियों में पदस्थ समिति प्रबंधक दयाशंकर दादौरिया द्वारा खाद वितरण, ऋण वसूली एवं ईआरपी कार्य में लापरवाही बरतने की शिकायतें मिली थीं। इस पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनयप्रकाश सिंह ने दोनों समिति प्रबंधकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय प्रधान कार्यालय, नर्मदापुरम निर्धारित किया है। इसके अलावा खाद वितरण में लापरवाही बरतने वाली सात अन्य समितियों के समिति प्रबंधकों एवं सहायक समिति प्रबंधकों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि नियमित कृषक सदस्यों को बिना विलंब खाद का वितरण सुनिश्चित करें। बैंक प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को कृषि आदान उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

स्कूल में मनाया वन महोत्सव पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गंजबासौदा। स्थानीय डॉल्फिन विद्यालय में वन महोत्सव उत्साह एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के ईको क्लब की डॉल्फिन इकाई के तत्वावधान में प्राचार्य संदीप जेटली के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर ईको क्लब प्रभारी सन्नी शर्मा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकालकर नगरवासियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टरों का प्रदर्शन किया तथा पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, हर घर एक पेड़, हरियाली अपार और वृक्ष हैं तो भविष्य है जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। विद्यार्थियों का उत्साह और पर्यावरण के प्रति उनकी जागरूकता देखते ही बन रही थी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण तथा प्रकृति के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। इस अवसर पर शिक्षिका नीतू तनवानी, आरती दुबे तथा शिक्षक सन्नी शर्मा, अभिषेक पाठक, रितिक जैन, अरविंद सेन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिग्विजय सिंह पर बयान को लेकर कांग्रेस नेता गुफरान का पलटवार

इटारसी। अयोध्या रामलला मंदिर में चढ़ावे को लेकर चल रही राजनीतिक बयानबाजी के बीच कांग्रेस नेता गुफरान अंसारी ने नगरपालिका के एक सभापति द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर की गई टिप्पणी का कड़ा विरोध किया है। जारी बयान में अंसारी ने कहा कि

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अयोध्या रामलला मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित मामले पर एक श्रद्धालु के रूप में सवाल उठाए थे, लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए उन पर अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने सभापति द्वारा ?1.11 लाख के इनाम संबंधी बयान पर तंज कसते हुए शेर पढ़ा, जो खानदानी रईस हैं वो, मिजाज रखते हैं नर्म अपना, तुम्हारा लहजा बता रहा है, तुम्हारी दौलत नई-नई है। अंसारी ने कहा कि राघौगढ़ राजपरिवार की धार्मिक परंपराएं लंबे समय से चली आ रही हैं और दिग्विजय सिंह की आस्था पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता सत्ता के अहंकार में सच को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 2 अक्टूबर से महाकाल के दर्शन के बाद उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा शुरू करेंगे। उनका कहना है कि यह यात्रा आस्था और जवाबदेही का संदेश लेकर निकलेगी तथा चढ़ावे से जुड़े कथित मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर होगी।

सिखेड़ी के विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन, भवन को ठीक करने की मांग

क्षतिग्रस्त स्कूल भवन बने खतरा खुले में पढ़ाई को मजबूर विद्यार्थी

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शासकीय विद्यालय की जर्जर अवस्था और बरसात में टपकते पानी से परेशान विद्यार्थी परेशान हैं। स्कूलों की हालत खराब है, विद्यार्थियों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं होने के कारण बरामदे में पढ़ाई करने पड़ रहा हैं। इस कारण बुधवार को सिखेड़ी के स्कूल में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया।

अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा की पूर्व तैयारी के संबंध में बैठक लेते हुए कलेक्टर मिशा सिंह ने 27 जून को सभी विभाग प्रमुख समय पूर्व तैयारी के साथ ही जर्जर आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र के भवनों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। बाजना ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक विद्यालय सेलज-मोवडी का टापरा की स्थिति अत्यंत दयनीय है। शाला भवन इतना जर्जर हो चुका है कि विद्यार्थियों को खुले में बैठकर शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है। क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की हालत निरंतर बदहाल होती जा रही है। सेलज-मोवडी का टापरा स्थित इस विद्यालय की दीवारें पुरानी हैं और कई कमरों की छत से पानी टपकता है। वर्षाकाल में परिसर में जलभराव की समस्या बनी रहती है, जिससे छात्रों को असुविधा होती है। विद्यार्थियों को अक्सर बारिश या तेज धूप में पढ़ाई बाधित होने का सामना करना पड़ता है। विद्यालय में शौचालयों की साफ-सफाई और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। इन समस्याओं के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों ने की मरम्मत की मांग

अभिभावकों व ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से शाला भवन की मरम्मत व आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि बच्चों को सुरक्षित व बेहतर माहौल में शिक्षा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को इस ओर शीघ्र ध्यान देना चाहिए और बच्चों के भविष्य को लेकर गंभीर कदम उठाने चाहिए।

अवैध शराब की तस्करी का मामला, ग्रामीणों ने घेरा

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट जिले की महाराष्ट्र सीमा से सटे बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम मिरिया टेकेपार में अवैध शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। यहां गांव में अवैध रूप से शराब सप्लाई करने पहुंचे तस्करों को जागरूक ग्रामीणों ने रंगे हाथों घेर लिया। ग्रामीणों की घेराबंदी देख वाहन का चालक और उसका साथी गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर रफूचक्कर हो गए।

लगातार हो रही बारिश के बीच डेंगू का खतरा बढ़ा

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच डेंगू का खतरा बढ़ने लगा है। इसे देखते हुए मलेरिया विभाग ने शहरी क्षेत्र में विशेष सर्वे अभियान शुरू किया है। बुधवार को विभाग की 12 टीमों ने शहर के 6 वार्डों के 670 घरों का सर्वे किया। जांच के दौरान 91 मकानों में डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर का लार्वा मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

कोतमा में स्टेट बैंक के सामने रोज लग रहा जाम

जनता परेशान, जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल

कोतमा अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के सामने प्रतिदिन सुबह लगभग 11 बजे से शाम 6 बजे तक जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे आम नागरिकों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैंक परिसर के पास पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध होने के बावजूद वाहनों को सड़क किनारे खड़ा किया जा रहा है, जिससे मुख्य मार्ग संकरा हो जाता है और जाम की स्थिति बन जाती है।

कोतमा थाना और जिला यातायात पुलिस इस समस्या से पूरी तरह अवगत होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कई बार पुलिसकर्मी मौके से गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात बाधित होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। स्टेट बैंक प्रबंधन, कोतमा थाना और जिला यातायात पुलिस इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। नियमित यातायात व्यवस्था, नो-पार्किंग नियमों का पालन और बैंक की पार्किंग का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि नगरवासियों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सके। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या को कब तक नजरअंदाज करते हैं या फिर जनहित में ठोस कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाते हैं।

17 साल बाद ठीकरी समिति पर खाद वितरण शुरू किसानों को शून्य ब्याज पर मिलने लगा कृषि ऋण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की पहल से जिले के किसानों को बड़ी राहत मिली है। सोहागपुर विकासखंड की ठीकरी सेवा सहकारी समिति में करीब 17 वर्षों बाद खाद वितरण का कार्य दोबारा शुरू हो गया है। इसके साथ ही पात्र किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन कृषि ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, समिति में लंबे समय से अल्पकालीन ऋण वितरण सहित नियमित कार्य बंद होने के कारण क्षेत्र के किसानों को खाद और ऋण के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। किसानों की इस समस्या को देखते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने समिति को पुनः सक्रिय करने के निर्देश दिए।निर्देशों के पालन में उपायुक्त सहकारिता ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए समिति का निलंबित खाद लाइसेंस बहाल कराया, पीओएस मशीन उपलब्ध कराई तथा किसानों के ई-विकास पोर्टल पर ई-टोकन बुक कराकर खाद वितरण की व्यवस्था शुरू कराई। साथ ही पात्र किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन कृषि ऋण की स्वीकृति भी सुनिश्चित की गई। इन व्यवस्थाओं के बाद ठीकरी सेवा सहकारी समिति ने 17 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद फिर से खाद वितरण शुरू कर दिया है। समिति की नियमित गतिविधियां शुरू होने से सदस्य किसानों में खुशी का माहौल है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम DEV BIMAL KUMAR SAMANTRAY था जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर DEV SAMANT RAY हो गया है अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम DEV SAMANT RAY से ही जाना व पहचाना जाए।

पता - H. NO. 88, PHASE -2, RIVERA TOWN, MATA MANDIR, HUZUR BHOPAL, M.P 462003

10 दिन तक चलेगा स्कूल बसों का विशेष जांच अभियान, सुरक्षा मानकों की होगी सघन पड़ताल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए नर्मदापुरम पुलिस ने बुधवार से 10 दिवसीय विशेष स्कूल बस जांच अभियान शुरू किया है। यह अभियान 8 से 17 जुलाई तक जिले के सभी थाना क्षेत्रों और यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

डीएसपी यातायात संतोष मिश्रा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक साईंकृष्णा एस. थोटा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के नेतृत्व में चल रहे अभियान के दौरान स्कूल बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी), इमरजेंसी एग्जिट, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी, जीपीएस, चालक के वैध ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की जाएगी। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों के पालन की भी समीक्षा होगी। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार, नशे की हालत में वाहन संचालन, मोबाइल फोन का उपयोग और यातायात नियमों के उल्लंघन पर विशेष नजर रखी जाएगी। नियमों का उल्लंघन मिलने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक साईंकृष्णा एस. थोटा ने स्कूल प्रबंधन, बस संचालकों और चालकों से सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। वहीं अभिभावकों से भी कहा गया है कि यदि किसी स्कूल बस में सुरक्षा संबंधी कमी नजर आए तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना या यातायात पुलिस को दें। पुलिस के अनुसार अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाकर बच्चों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित स्कूल परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

कार्यालय सेनानी 7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

ई-मेलः- co7bn_saf@mppolice.gov.in

क्रमांक-7 वी वाहिनी/विसबल./SQM /92/2026 दिनांकः 06/07/2026

:: ई-निविदा सूचना ::

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल में सेरेमोनियल सामग्री क्रय किये जाने हेतु सेरेमोनियल सामाग्री की दरें/ऑफर मूल्य (जीएसटी सहित) प्राप्त किये जाने के लिये Mptenders के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व निविदा की विस्तृत शर्तें वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in/ तथा www.mppolice.gov.in पर उपलब्ध हैं।

ई-निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-टेण्डर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगा, इस हेतु ई-निविदा पोर्टल पर अद्यतन रहें।

जी-15388/26

हेतु सेनानी
7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

मेट्रो एंकर जिला भाजपा की बैठक में संगठनात्मक मजबूती पर दिया जोर

शक्ति केंद्रों को सशक्त बनाने की रणनीति

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी की मासिक जिला बैठक बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। मुख्य रूप से शक्ति केंद्रों को मजबूत करने, बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखने और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने की। उन्होंने बताया कि 1 से 7 जुलाई तक जिले के सभी मंडलों में सफलतापूर्वक मंडल स्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। वहीं 5 जुलाई को हुए जिला कार्यकर्ता सम्मेलन और मन की बात कार्यक्रम की प्रभावी रिपोर्टिंग के लिए जिले को प्रदेश स्तर पर सराहना मिली। उन्होंने कार्यकर्ताओं से डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से अधिकाधिक जुड़ने का आग्रह किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नर्मदापुरम संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह ने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने शक्ति केंद्रों को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए प्रभारियों से नियमित बैठकें आयोजित करने, बूथ स्तर तक संपर्क बनाए रखने और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती-पुण्य स्मरण अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं के अनुशासन और समर्पण की सराहना की। जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक अलकेश आर्य ने कहा कि जिले में पर्यावरण संरक्षण अभियान, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस एवं जयंती, मन की बात, बूथ जीता-चुनाव जीता अभियान और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन बूथ स्तर तक किया गया, जिसके लिए जिले की प्रदेश स्तर पर प्रशंसा हुई। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने केंद्र और प्रदेश सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिला है। बैठक में प्रदेश मंत्री राजो मालवीय, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, प्रदेश सदस्य अखिलेश खंडेलवाल सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना तथा आभार कुँवर सिंह यादव ने व्यक्त किया।

न्यायालय आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल
डी ब्लॉक, पुराना सचिवालय, भोपाल

अपील प्र. क्र. 0032/अपील/2025-26/282
भोपाल, दिनांकः- 03/07/2026

पक्षकारनः- (1) श्री. पुरुषोत्तमदास आ. स्व. श्री नारायणदास अग्रवाल, निवासी मोहल्ला भूतेश्वरपथ, सिरोज, जिला विदिशा, म.प्र.
...अपीलार्थी

बनाम

(1) श्री. गणेशराम आ. श्री रामा, निवासी ग्राम आमाढ़ाना, (परसोरा), तहसील सिरोंज, जिला विदिशा, म.प्र. व अन्य
...उत्तरवादीगण

आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
सूचना पत्र

प्रति,

(1) श्री लालाराम उर्फ लल्ला आ. श्री रामा, निवासी ग्राम आमाढ़ाना (परसोरा), तहसील सिरोंज, जिला विदिशा, म.प्र.

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी श्री पुरूषोतमदास आ. स्व. श्री नारायणदास अग्रवाल, निवासी मोहल्ला भूतेश्वरपथ, सिरोज, जिला विदिशा, म.प्र. ने न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, सिरोज, जिला विदिशा, मध्यप्रदेश के राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 0310/अपील/2024-25 में पारित आदेश दिनांक 04/04/2025 से परिवेदित होंकर म.प्र.भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (2) के अंतर्गत द्वितीय अपील प्रस्तुत की गई है, जिसमें न्यायालयीन सूचना पत्र के माध्यम से आपको सूचना दी जा रही है, किन्तु आपको सूचना पत्र तामील नहीं हो पा रहा है। इसलिये आपको इस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि अब यह प्रकरण दिनांक 21/07/2026 (मंगलवार) को सुनवाई हेतु नियत् है। यदि नियत् दिनांक को शासकीय अवकाश होता है तो सुनवाई आगामी कार्य दिवस को होगी। अतः आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 21/07/2026 (मंगलवार) को सांय 4.00 बजे न्यायालय आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल डी ब्लॉक, पुराना सचिवालय, भोपाल में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित हों। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध विधिवत् एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

सूचना पत्र आज दिनांक 03/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(न्याधालय आयुक्त द्वारा आदेशित)

(भारती देवी मिश्रा)
उपायुक्त, राजस्व,
भोपाल संभाग, भोपाल

टापू बना बरखेड़ा... बारिश आते ही कट जाता है गांव का संपर्क

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में विकास, सुशासन और डिजिटल इंडिया के बड़े-बड़े दावों के बीच दमोह जिले की तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी सिंगौरगढ़ का ग्राम बरखेड़ा आज भी ऐसी बदहाली झेल रहा है, जिसे देखकर सरकारी दावों और जमीनी हकीकत का अंतर साफ नजर आता है। गुरैया नदी के किनारे बसा यह गांव हर साल बारिश शुरू होते ही मानो नक्शे से कट जाता है। गांव तक पहुंचने का एकमात्र पुल इतना नीचा बना है कि थोड़ी सी बारिश में ही नदी का पानी उसे अपनी आगोश में ले लेता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक बार पुल डूबने के बाद वह कई-कई हफ्तों तक दिखाई तक नहीं देता। इस दौरान बरखेड़ा के सैकड़ों ग्रामीण पूरी तरह बाहरी दुनिया से कट जाते हैं और गांव एक टापू में तब्दील हो जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि बरसात के दिनों में यदि किसी की तबीयत अचानक बिगड़ जाए, किसी बुजुर्ग को इलाज की जरूरत हो या कोई गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा में हो, तो भगवान ही सहारा होता है। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकती और मरीज अस्पताल तक नहीं जा सकता। कई बार लोग जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर होते हैं। यही पुल ग्राम पंचायत परासई के किसानों की कृषि भूमि तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग भी है। बरखेड़ा के लोगों के लिए यही रास्ता तेजगढ़, दमोह, जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों से जुड़ने का एकमात्र साधन है। पुल डूबते ही खेती, मजदूरी, व्यापार, राशन, दवा और रोजमर्रा की जरूरतें सब प्रभावित हो जाती हैं। सबसे ज्यादा नुकसान गांव के बच्चों का होता है। कई-कई दिनों नहीं, बल्कि कई हफ्तों तक वे स्कूल नहीं पहुंच पाते। किताबें घर में बंद रह जाती हैं और बच्चों का भविष्य भी पानी में बहता नजर आता है। जिस दौर में सरकार हर बच्चे को डिजिटल शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई का सपना दिखा रही है, उसी दौर में बरखेड़ा के बच्चे बारिश थमने और पुल के पानी से बाहर आने का इंतजार करते रहते हैं।

सुविधाओं के लिए तरस रहा गांव

ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय नेता गांव तक पहुंच जाते हैं, हाथ जोड़कर वोट मांगते हैं और विकास के बड़े-बड़े वादे करते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होते ही बरखेड़ा उनकी प्राथमिकताओं से गायब हो जाता है। विडंबना यह है कि जिले में दो मंत्री और एक सांसद होने के बावजूद यह गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि नोहटा, जहां मंत्री का निवास भी अधिक दूर नहीं है, वहां से भी शायद इस गांव की पीड़ा कभी सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंची। गांव वालों का दर्द केवल पुल का नहीं, बल्कि उपेक्षा का भी है। ग्रामीणों कहना है कि वर्षों से समस्या जस की तस बनी हुई है। आज तक न कोई कलेक्टर बरसात के समय गांव की वास्तविक स्थिति देखने आया और न ही किसी जनप्रतिनिधि ने इस समस्या का स्थायी समाधान कराने की गंभीर पहल की। बरखेड़ा की यह तस्वीर केवल एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि उन विकास योजनाओं के आईने की सच्चाई है, जिनमें हर गांव तक सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल सुविधाएं पहुंचाने के दावे किए जाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या इस बार भी गुरैया नदी का पानी उतरने का इंतजार होगा, या फिर जिम्मेदार लोग अपनी संवेदनहीनता का पानी उतारकर बरखेड़ा को उसका हक दिलाएंगे?

न्यूज विंडो

कुएं में गिरी बछिया को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सुरक्षित निकाला

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 12 में स्थित एक खेत मैं बिना मुडेर के कुएं में रात्रि के समय एक बछिया गिर गई। सुबह जब क्षेत्र के एक व्यक्ति की नजर कुएगं पर पड़ी तो उसने बछिया को पानी में संघर्ष करते हुए देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उसने तत्काल इसकी सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की, जिसके बाद स्थानीय लोगों एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही बजरंग दल के सदस्य मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए बछिया को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राहत कार्य प्रारंभ किया। कुएं की गहराई एवं परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद कार्यकर्ताओं ने रस्सियों एवं स्थानीय संसाधनों की सहायता से काफी मशक्कत के बाद गाय को सकुशल बाहर निकाल लिया। इस दौरान आसपास के नागरिकों ने भी सहयोग प्रदान किया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि जीव सेवा मानवता का महत्वपूर्ण दायित्व है और किसी भी संकट में फंसे मूक प्राणी की सहायता करना समाज का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि यदि कहीं इस प्रकार की कोई घटना दिखाई दे तो तुरंत संबंधित लोगों एवं सामाजिक संगठनों को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

वेतन भुगतान में देरी से स्वास्थ्यकर्मियों में आक्रोश, कार्य बहिष्कार की चेतावनी

तेन्दूखेड़ा। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से जिले के स्वास्थ्य कर्मियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। इसी क्रम में क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी , दमोह के नाम एक ज्ञापन मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी, तेन्दूखेड़ा के माध्यम से सौंपा है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने बताया कि वे विभागीय नियमों का पालन करते हुए ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नियमित रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके बावजूद चालू माह की 8 तारीख बीत जाने के बाद भी उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन में हो रही देरी के कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। परिवार का भरण-पोषण, दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति, बच्चों की स्कूल फीस एवं प्रवेश शुल्क जमा करने के साथ-साथ बैंक ऋण एवं ईएमआई का भुगतान करना भी कठिन हो गया है। स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनका लंबित वेतन 9 जुलाई तक तत्काल जारी किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा तक वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो 10 जुलाई से वे सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार करेंगे। इस स्थिति में क्षेत्र में संचालित नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवाएं तथा विभाग की अन्य आवश्यक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे कार्य बहिष्कार नहीं चाहते, लेकिन लगातार वेतन भुगतान में हो रही देरी ने उन्हें यह कदम उठाने के लिए विवश कर दिया है।

पीएम श्री कन्या विद्यालय में छात्राओं को वितरित की साइकिलें

नरसिंहपुर। करेली स्थित पीएम श्री कन्या विद्यालय में बुधवार को शिक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर आयोजित समारोह में विधायक निधि से निर्मित 22 लाख रुपये की लागत के टीन शेड का लोकार्पण पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला मामार, उपाध्यक्ष अनीता नेमा जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, विद्यालय का स्टाफ, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर शासन की छात्र हितैषी योजनाओं के तहत पात्र छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। साथ ही शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि पिछले चार वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं में नरसिंहपुर जिला पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है। यह उपलब्धि जिले के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत, समर्पण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

डीएमएफ में करोड़ों का घोटाला

हाईवे के गड्ढों को बताया तालाब पुराने जलाशयों पर भी भुगतान

शहडोल। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण विकास के नाम पर डीएमएफ (जिला खनिज प्रतिष्ठान) की योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि जहां नए तालाब बनने थे, वहां पहले से मौजूद तालाब, पुराने नाले और यहां तक कि हाईवे निर्माण के दौरान मुरूम निकालने से बने गड्ढों को ही सरकारी रिकॉर्ड में नवीन तालाब बताकर लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत जयसिंहनगर की जोरा ग्राम पंचायत में रीवा-शहडोल हाईवे निर्माण के दौरान सड़क किनारे मुरूम निकालने से करीब दो से ढाई एकड़ का बड़ा गड्ढा बन गया था। आरोप है कि इसी गड्ढे को नवीन तालाब दर्शाकर लगभग 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर भुगतान कर दिया गया।

इसी तरह बरना पंचायत के झिरिया गांव में करीब 20 वर्ष पुराना तालाब मौजूद है, जिसकी पाल तीन वर्ष पहले टूट गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार इसकी मरम्मत कराई जानी चाहिए थी, लेकिन विभाग ने उसी स्थान पर 20.56 लाख रुपये की लागत से नवीन तालाब निर्माण की स्वीकृति जारी कर दी। ब्यौहारी जनपद के तेंदुआ गांव में बाणसागर डैम के समीप दर्री नाले पर पुलिया और पिचिंग का कार्य पहले ही डीएमएफ मद से लगभग 12 लाख रुपये की लागत से कराया जा चुका था। बाद में उसी स्थान को सांसद मद के प्रस्ताव पर करीब 25 लाख रुपये की लागत से नवीन तालाब निर्माण दर्शाकर स्वीकृत कर दिया गया। मौके पर नया तालाब नहीं मिला, जबकि भुगतान होने की बात सामने आई है। रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2022-23 की कार्ययोजना में डीएमएफ मद से तालाब निर्माण, घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण के 43 कार्य स्वीकृत किए गए थे। इन पर 7.48 करोड़ रुपये की स्वीकृति और 5.75 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित था। पड़ताल में दावा किया गया है कि आधे से अधिक परियोजनाएं पहले से मौजूद जलाशयों या अन्य संरचनाओं पर स्वीकृत की गईं। इस मामले में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि डीएमएफ से पुराने तालाबों को नया दिखाकर कार्य कराने का प्रावधान नहीं है। यदि ऐसे मामले सामने आए हैं तो जिला स्तर पर टीम गठित कर जांच कराई जाएगी। जांच में अनियमितता मिलने पर संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पांदुर्णा में हुआ सड़क हादसा, 6 लोग घायल

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा के पीपला बस स्टैंड पर भीषण सड़क हादसे का सीसीटीवी फुटेज आज सुबह सामने आया। दरअसल, मामला बीते दिन का है। जिसका आज सीसीटीवी सामने आया है। हादसे में बेकाबू टवेरा वाहन ने दो लोगों को जोरदार टक्कर मारी, जिससे वे कई फीट दूर जा गिरे। कुल 6 से अधिक लोग घायल हुए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज किया गया। पुलिस ने मौके से चालक को हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया है।

1.74 लाख से अधिक लोग ब्लैकलिस्ट सेटलमेंट और मॉनिटरिंग पर सवाल

उमरिया। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बहुल उमरिया जिले में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले में लगभग 1,74,642 लोग माइक्रो फाइनेंस ऋण के कारण ब्लैकलिस्ट हो चुके हैं। आरोप यह भी है कि कई मामलों में आज तक उचित लोन सेटलमेंट नहीं किया गया, जिससे गरीब और ग्रामीण परिवार लगातार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। हाल के समय में देश के कई हिस्सों में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों द्वारा ऊंची ब्याज दर, बार-बार ऋण देने और वसूली के तौर-तरीकों को लेकर बहस तेज हुई है। इसी तरह की चिंताएं उमरिया में भी सामने आ रही हैं। जिले में माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं की निगरानी के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग कमेटी दिखाई नहीं देती।

संशोधन: एसडीएम सीजी गोस्वामी को मिला प्रभार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

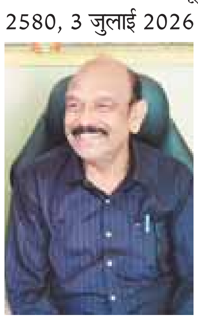

जिला पंचायत दमोह द्वारा जारी कार्यालयीन आदेश के अनुसार, जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ के प्रभार संबंधी पूर्व आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है। पूर्व में कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2580, 3 जुलाई 2026 के माध्यम से डॉ. रामेश्वर प्रसाद पटैल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत जबेरा को जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक सौंपा गया था। अब उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए छोटेगिरी गोस्वामी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तेंदूखेड़ा को जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार आगामी आदेश तक सौंपा गया है। ज्ञात होगी जनपद पंचायत के सीईओ मनीष बागरी का 1 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया है जिसके कारण जनपद सीईओ का पद रिक्त था यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उक्त आदेश कलेक्टर महोदय के अनुमोदन उपरांत जारी किया गया है।

नगर निगम की वित्तीय स्थिति खराब कर्मचारी परेशान, विशेष अनुदान की मांग

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंत्रालय में सौजन्य भेंट कर सागर नगर निगम की वर्तमान वित्तीय स्थिति एवं कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी भी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान विधायक जैन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि सागर नगर निगम की वित्तीय स्थिति चिंताजनक बनी है। शासन स्तर पर विभिन्न मदों में की जा रही वित्तीय कटौती के कारण नगर निगम को अपेक्षित आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हो पा रही है, जिससे नगर निगम के नियमित कार्यों के संचालन के साथ-साथ कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वेतन में हो रही देरी के कारण कर्मचारी वर्ग आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान है। विधायक जैन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह किया कि नगर निगम की वित्तीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा की जा रही कटौतियों पर पुनर्विचार किया जाए अथवा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए विशेष अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि कर्मचारियों का वेतन समय पर दिया जा सके और नगर निगम का कार्य सुचारु रूप से संचालित होता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक जैन द्वारा रखे गए विषय को गंभीरता से सुना और कर्मचारियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक परीक्षण कर शीघ्र उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर

बंडा में जिला स्तरीय समारोह, सेफ क्लिक 2.0 अभियान का समापन

300 से अधिक विद्यार्थियों ने निकाली साइबर जागरुकता रैली

सागर । दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत सागर जिले में लगातार 15 दिनों तक विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया नरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में जिले के समस्त पुलिस अनुभागों एवं थाना क्षेत्रों में आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के अंतिम दिन जिला स्तरीय समापन समारोह, साइबर मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन पुलिस अनुभाग बंडा के शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया।

छात्र-छात्राओं ने साइबर सुरक्षा जागरूकता रैली निकालकर सोचें... समझें... फिर क्लिक करें, "OTP किसी से साझा न करें, सजग नागरिक-सुरक्षित समाज तथा साइबर अपराध से बचें, सतर्क रहें, जैसे संदेशों के माध्यम से नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी, पोस्टर, स्लोगन, निबंध, चित्रकला, भाषण, कविता, वाद-विवाद, एकल गायन एवं नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने प्रमाण-पत्र, मेडल एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर एसडीओपी बंडा प्रदीप वाल्मीकि ने अभियान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने, किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, OTP एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी उपस्थित नागरिकों एवं विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ भी दिलाई।

इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक हार रिकॉर्ड नहीं... चेतावनी की घंटी

बार-बार की हार ने उठाए टीम इंडिया की रणनीति पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां हार से ज्यादा चिंता हार के तरीके को लेकर हो रही है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 76 रन पर सिमट गई। 125 रनों की यह हार भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार बन गई। इसके साथ ही पहली बार टीम इंडिया टी20 में 100 से अधिक रनों से हारी, पावरप्ले में पांच विकेट गंवाए और अपने इतिहास के सबसे छोटे स्कोरों में से एक दर्ज कराया।

मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल की शुरुआत युवा खिलाड़ियों को अधिक अवसर देने और टीम को नए सिरे से तैयार करने की सोच के साथ हुई। हालांकि इस बदलाव के दौरान कई अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी भी साफ नजर आई। कठिन परिस्थितियों में पारी को संभालने और दबाव झेलने वाले बल्लेबाजों की कमी इंग्लैंड के खिलाफ साफ दिखाई दी। शुरुआती विकेट गिरते ही पूरी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और कोई भी खिलाड़ी लंबी साझेदारी नहीं बना सका। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में आक्रामक क्रिकेट को अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश की है। यह रणनीति कई मौकों पर सफल भी रही, लेकिन इंग्लैंड जैसी तेज और सीम मूवमेंट वाली पिचों पर यही तरीका उल्टा पड़ता दिखाई दिया। बल्लेबाज शुरुआत से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते रहे, जबकि हालात संयम और धैर्य की मांग कर रहे थे। शुरुआती झटकों के बाद भी रणनीति में बदलाव नहीं हुआ, जिसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ा।

दबाव में लगातार बिखर रही है टीम

हाल के मुकाबलों का विश्लेषण करें तो एक बात लगातार सामने आती है कि शुरुआती संकट के बाद भारतीय टीम मैच में वापसी करने की बजाय तेजी से विकेट गंवा देती है। साझेदारी बनाने और पारी को संभालने का धैर्य कम दिखाई देता है। यही वजह है कि कई मुकाबलों में हार मामूली नहीं बल्कि रिकॉर्ड स्तर की बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीम को मानसिक मजबूती और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता विकसित करनी होगी। मैदान पर बल्लेबाजी या गेंदबाजी खिलाड़ी करते हैं, लेकिन टीम किस सोच और योजना के साथ मैदान में उतरेगी, इसकी जिम्मेदारी कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन की भी होती है। गौतम

इंग्लैंड से चौथा टी-20 आज, भारत के सामने सीरीज बचाने की चुनौती

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का चौथा मुकाबला गुरुवार को ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड में खेला जाएगा। मैच भारतीय समय के हिसाब से रात 10 बजे से शुरू होगा। इंग्लैंड सीरीज में 2-0 से आगे है। पहला मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था, जबकि दूसरे और तीसरे टी-20 में मेजबान टीम ने जीत दर्ज की थी। भारत के लिए यह मुकाबला करो या मरो का है। हार मिलते ही टीम सीरीज गंवा देगी। 2018-19 के बाद यह पहला मौका होगा, जब भारत लगातार दो टी-20 सीरीज हार सकता है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उन्होंने अपने शुरुआती दो टी-20 इंटरनेशनल मुकाबलों में 14 और 13 रन बनाए हैं। यानी अब तक 2 मैचों में सिर्फ 27 रन ही बना सके हैं। टी-20 कप्तान बनने के बाद श्रेयस अय्यर अब तक एक भी इंटरनेशनल मैच नहीं जीत सके हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 में 125 रन की हार के बाद उन्होंने टीम के प्रदर्शन को बेहद खराब बताया था। IPL समेत श्रेयस अपनी पिछली 11 टी-20 कप्तानी में 10 मैच हार चुके हैं। हालांकि, कोच गौतम गंभीर ने कहा कि एक हार से टीम खराब नहीं हो जाती।

फीफा विश्व कप 2026: रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर के फैसलों पर हो रहा बवाल

अर्जेंटीना से हार के बाद मिस्र ने फीफा से की शिकायत, रेफरी को बाहर करने की मांग

अटलांटा, एजेंसी

मिस्र फुटबॉल महासंघ ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में अर्जेंटीना से 3-2 की हार के बाद रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर के फैसलों के खिलाफ फीफा में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। मिस्र की टीम एक समय 2-0 की बढ़त पर थी और ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ती दिखाई दे रही थी। हालांकि, अर्जेंटीना ने अंतिम क्षणों में शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस दौरान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया और एक गोल में अहम भूमिका निभाई, जबकि स्टॉपेज टाइम में एन्जो फर्नांडीज ने विजयी गोल दागा।

मिस्र फुटबॉल महासंघ ने रेफरी पर क्या आरोप लगाए?

मुकाबले के बाद मिस्र खेमे ने कई अहम फैसलों पर नाराजगी जताई। टीम का दावा है कि ङ्कक्रसमीक्षा के बाद उसका एक गोल रद्द कर दिया गया, जबकि अर्जेंटीना के निर्णायक गोल से पहले मिली पेनल्टी की अपील की ङ्कक्रसे समीक्षा तक नहीं की गई। स्पेनिश प्रकाशन डियारियो एएस की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष हानी अबू रिदा ने फ्रांसीसी रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर और उनकी ऑफिशिएटिंग टीम के खिलाफ फीफा में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

रेफरी और उनकी टीम को हटाने की भी मांग की गई है!

रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र फुटबॉल महासंघ ने उन फैसलों की जांच की मांग की है जिन्हें वह विवादास्पद मानता है। इसके साथ ही महासंघ ने आधिकारिक तौर पर यह भी अनुरोध किया है कि फ्रांसीसी रेफरी और उनकी पूरी ऑफिशिएटिंग टीम को टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों से हटा दिया जाए। इससे पहले मिस्र के मुख्य कोच हसन ने भी रेफरी के कई फैसलों पर नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि मैच का नतीजा सिर्फ मैदान पर हुए खेल से तय नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हम मौजूदा विश्व चैंपियन से हर मामले में बेहतर खेले, लेकिन नतीजा मैदान के अंदर और बाहर के कारकों से प्रभावित हुआ। शायद वे चाहते थे कि विश्व चैंपियन टूर्नामेंट में बने रहें। शायद वे चाहते थे कि मेसी आगे खेलते रहें।

VAR और फेयर प्ले को लेकर हसन ने क्या आरोप लगाए?

हसन ने कहा कि फुटबॉल में कई बार तकनीकी पहलुओं से परे भी बाहरी प्रभाव देखने को मिलते हैं और विश्व चैंपियन को हर स्तर पर समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि आज हमें न सम्मान मिला और न ही फेयर प्ले। एक पेनल्टी नहीं दी गई, उसकी VAR से समीक्षा भी नहीं हुई। हमारा दूसरा गोल भी किसी कारण से रद्द कर दिया गया। हमारे साथ नाइंसाफी हुई है और यह अन्याय है।

एम्बापे के पास मेसी से आगे निकलने का मौका

बोस्टन, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 आज रात पहला क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाएगा। किलियन एम्बापे की फ्रांस का मुकाबला जायंट किलर्स मोरक्को से होगा। मैच बोस्टन स्टेडियम में आज रात 1:30 बजे से खेला जाएगा। फ्रांस के स्ट्राइकर एम्बापे इस टूर्नामेंट में 7 गोल दाग चुके हैं। मेसी 8 गोल के साथ गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। अगर एम्बापे इस मैच में गोल करते हैं, तो वे मेसी को पीछे छोड़ देंगे।

फ्रांस और मोरक्को के बीच 6 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इनमें फ्रांस का एकतरफा दबदबा रहा है। फ्रांस ने 4 मैचों में जीत दर्ज की है। मोरक्को को सिर्फ 1 में जीत मिली है। 1 मुकाबला ड्रॉ रहा है।

FIFA वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इससे पहले 2022 के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से शिकस्त दी थी। मोरक्को इस हार का बदला लेना चाहेगी। फ्रांस की टीम इस टूर्नामेंट में अजेय रही है। टीम ने अपने सभी 5 मुकाबले जीते हैं। ग्रुप स्टेज में फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1, इराक को 3-0 और सेनेगल को 3-1 से हराया।

विंबलडन :जोकोविच का ऐतिहासिक कमाल

पांच घंटे के महासंग्राम के बाद सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री अब सिनर से होगा मुकाबला

लंदन, एजेंसी

लंदन। टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में एक और यादगार अध्याय जोड़ते हुए रोमांच से भरपूर क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पांच घंटे 15 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-6(10), 3-6, 6-3, 6-7(4), 7-6(10-4) से हराकर लगातार आठवीं बार विंबलडन के अंतिम चार में प्रवेश किया। इस जीत के साथ जोकोविच ने अपने करियर में 55वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि विंबलडन में यह उनका रिकॉर्ड 15वां सेमीफाइनल होगा। उन्होंने अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल के 19 साल बाद फिर से अंतिम चार में पहुंचकर लंबी सफलता का शानदार उदाहरण पेश किया।

चोट के बावजूद नहीं टूटा हौसला- मुकाबले के दौरान जोकोविच को पिंडली में परेशानी महसूस हुई और उन्हें मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने संयम नहीं खोया और निर्णायक सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। पूरे मैच में उनका अनुभव और मानसिक मजबूती साफ दिखाई दी, खासकर अंतिम टाई-ब्रेकर में उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाकर जीत सुनिश्चित की।

रणनीति और अनुभव बना जीत की कुंजी

जोकोविच ने पूरे मुकाबले में ऑगर-अलियासिमे के बैकहैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। हालांकि कनाडाई खिलाड़ी ने दमदार चुनौती दी और मैच को पांचवें सेट के टाई-ब्रेकर तक खींच लिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जोकोविच का अनुभव भारी पड़ा। अब सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल इटली के यानिक सिनर से होगा। पिछले साल सिनर ने विंबलडन के सेमीफाइनल में जोकोविच को हराया था। ऐसे में इस बार दोनों दिग्गजों के बीच होने वाला मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

39 साल 51 दिन की उम्र में जोकोविच ओपन एरा में विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में उनसे आगे केवल ऑस्ट्रेलिया के केन रोजवेल हैं, जिन्होंने 1974 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रिश्तों और नई जिंदगी पर खुलकर बोलीं आकांक्षा

कहा- अपना घर होगा, अकेले ही बिताऊंगी आगे की जिंदगी

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात करते हुए कहा है कि अब वह दोबारा शादी नहीं करना चाहतीं। अभिनेता गौरव खन्ना से अलगाव और अपनी निजी पहचान को लेकर हाल ही में किए गए खुलासों के बाद उन्होंने साफ कहा कि अब वह स्वतंत्र जीवन जीना चाहती हैं और भविष्य में अकेले रहने का फैसला कर चुकी हैं।

नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो लॉक अपः सच या सजा के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ बातचीत के दौरान भावुक नजर आईं। उन्होंने बताया कि जब उनकी शादी हुई थी, तब वह केवल 24 वर्ष की थीं। इस पर पामेला ने कहा कि उनकी उम्र अभी भी कम है और भविष्य में उन्हें बेहतर जीवनसाथी मिल सकता है। हालांकि आकांक्षा ने इस संभावना को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि उनका मन अब शादी से भर चुका है। आकांक्षा ने कहा कि अब वह पहली बार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना चाहती हैं। उनका सपना है कि उनका अपना घर हो, जहां वह किसी पर निर्भर हुए बिना रहें। उन्होंने कहा कि न वह अपने मायके में रहेंगी और न ही किसी पति के घर, बल्कि अपनी शर्तों पर नई जिंदगी की शुरुआत करेंगी। शो के पिछले जजमेंट डे एपिसोड में आकांक्षा ने अपनी निजी पहचान को लेकर भी बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि वह उभयलिंगी (बायसेक्शुअल) हैं और शादी से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं।

सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना आकांक्षा का बयान

आकांक्षा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी काफी चर्चा हो रही है। कई लोगों ने उनके साहस की सराहना की, जबकि कुछ ने उनके निजी जीवन को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। अभिनेत्री ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को ईमानदारी से साझा किया है और अब वह बिना किसी दबाव के अपनी पसंद के अनुसार जीवन जीना चाहती हैं। लॉक अपः सच या सजा के दूसरे सीजन में कई चर्चित कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। शो में प्रतियोगियों को विभिन्न टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी अर्जित करनी होती है, जिसके आधार पर उन्हें भोजन और अन्य सुविधाएं मिलती हैं। निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण यह

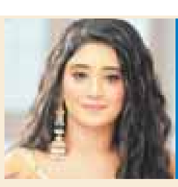

लॉक अप में हाई-वोल्टेज ड्रामा, शिवांगी को रोता देख आपा खो बैठे हर्षद चोपड़ा

मुंबई। फराह खान और रितेश देशमुख द्वारा होस्ट किए जा रहे नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो लॉक अपः सच या सजा के हालिया एपिसोड में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। शो में टेलीविजन एक्टर हर्षद चोपड़ा अपनी को-कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पर भड़क गए, क्योंकि बहस के दौरान उन्होंने उनकी दोस्त शिवांगी जोशी को चुड़ैल कहा और कथित तौर पर गाली-गलौज की।

हालिया एपिसोड में श्रेया के स्नैक्स खाने की गुजारिश के बाद बहस शुरू हो गई, क्योंकि वह भारी दवाएं ले रही थीं। सीमित ÷खर्चा-पानी÷ के साथ, घर के सदस्यों ने श्रेया से सवाल करना शुरू कर दिया जब उन्होंने बताया कि वह दवाएं ले रही हैं - ऐसी बात जिसका ज़िक्र उन्होंने पहले नहीं किया था। खर्चा-पानी डिजिटल पैसे का वह बैलेंस है जो कंटेस्टेंट्स को शो में अपना खाना खरीदने के लिए हर हफ़्ते मिलता है। वे इसे टास्क और नॉमिनेशन के जरिए कमाते हैं।

बाद में शिवांगी ने श्रेया से पूछा कि क्या वह ÷सच में बीमार÷ हैं, जिससे बहस शुरू हो गई। तीखी बहस के बाद शिवांगी की आंखों में आंसू आ गए और वह अपने दोस्त और पूर्व को-स्टार हर्षद चोपड़ा के पास गईं। शिवांगी को रोते हुए

देखकर हर्षद गुस्से से भर गए और श्रेया की ओर झपटे। हालांकि, शिवांगी और साथी कंटेस्टेंट आकांक्षा चमोला ने उन्हें रोक लिया। फिर उन्हें चिल्लाते हुए देखा गया, और उस चुड़ैल से कहो कि अपना मुंह न खोले। जब हर्षद का गुस्सा बढ़ा, तो शिवांगी, आकांक्षा चमोला और राम कपूर उन्हें शांत करने के लिए आगे आए। फिर हर्षद को यह कहते हुए देखा गया, ÷मुझे उससे बात करनी है क्योंकि मैं उसे बताना चाहता हूं कि वह तुमसे उस तरह बात नहीं कर सकती जैसा वह चाहती है।

मेट्रो बाजार

भारत का आसियान देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 128 अरब डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली। भारत और आसियान देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 128 अरब डॉलर हो गया है। यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी मजबूत हुई है। यह जानकारी बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि आसियान भारत का एक प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर है और भारत के वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी करीब 11 प्रतिशत है। रिश्तों को और मजबूत करने के लिए, भारत ने 6 से 10 जुलाई तक 13वीं आसियान-भारत ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट की संयुक्त समिति (जेसी) और उससे जुड़ी बैठकों की मेजबानी कर रहा है, ताकि एआईटीआईजीए की समीक्षा के तहत बातचीत की प्रगति का जायजा लिया जा सके। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, संयुक्त समिति की बैठक में उप-समितियों को उनके काम के क्षेत्रों में रणनीतिक मार्गदर्शन दिया गया और उनसे एआईटीआईजीए समीक्षा के तहत बाकी बचे अध्यायों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया। बयान के मुताबिक, ÷बातचीत की गति बनाए रखने के लिए, उप-समितियों को तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई और उन्हें सहमत समय-सीमा के अंदर ठोस नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बयान में आगे कहा गया है कि एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी के तहत आठ सब-कमिटी में से तीन की बैठकें अभी 13वीं जॉइंट कमिटी की बैठक के साथ-साथ हो रही हैं।

एफपीआई पंजीकरण फीस में बड़ा बदलाव अब डॉलर की जगह रुपए का होगा इस्तेमाल

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत विदेशी निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों (एफवीसीआई) के लिए पंजीकरण फीस ढांचे में अब डॉलर की जगह रुपए का उपयोग किया जाएगा। यह नया बदलाव करीब छह महीने बाद लागू होगा, जिससे नए सिस्टम की तरफ जाने के लिए विदेशी निवेशकों को पर्याप्त समय मिले।

सेबी की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन के अनुसार, अब मौजूदा 1,000 डॉलर की फीस को बदलकर उसके बराबर की भारतीय मुद्रा में 90,000 रुपए कर दिया गया है। कैटेगरी-ढ्ढ एफपीआई और एफवीसीआई के लिए रजिस्ट्रेशन फीस को भी 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया गया है। बाजार नियामक ने इसी तरह लेट फीस और कंटिन्यूएशन फीस में भी बदलाव किया है। संशोधित नियमों के तहत, डिपॉजिटरी को एफपीआई और एफवीसीआई से इकट्ठा की गई फीस, रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच वर्किंग दिनों के अंदर सेबी को जमा करनी होगी। इसके अलावा, नियामक ने एफपीआई रजिस्ट्रेशन के लिए कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म में जन्म की तारीख या कंपनी के बनने की तारीख को शामिल करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसान बना दिया है।

यह बदलाव मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, परमानेंट अकाउंट नंबर (पेन) के लिए आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाने के मकसद से किया गया है। सेबी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएशन और दूसरी फीस के तौर पर जीएसटी सहित 12.98 मिलियन डॉलर जमा किए।

भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने बढ़ाई मुश्किलें, कई राज्यों में अलर्ट जारी

सड़कों से पटरियों तक पानी-पानी पांच राज्यों में मानसून बना मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में राहत की बारिश लाने वाला मानसून का मौसम अब विनाश का कारण बन रहा है। बारिश से जुड़ी घटनाएं दिल्ली से केरल तक जन जीवन को प्रभावित किए हुए है। वहीं, सड़क से लेकर रेल संपर्क तक खासा असर पड़ा है। वहीं, दिल्ली में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही कई राज्यों में आने वाले कुछ दिनों में राहत के आसार नहीं हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुंबई में बुधवार को भारी बारिश के कारण लोकल ट्रेनें 25 से 30 मिनट की देरी से चलीं, जबकि गुजरात और पुणे की ओर जाने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनें प्रभावित रहीं। गुजरात जाने वाली 39 ट्रेनों को रद्द किया गया है। वहीं, महाराष्ट्र से गुजरात का रुख करने वाली 46 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। वहीं, भोर घाट क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद मुंबई-पुणे मार्ग पर रेल परिचालन भी अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। नासिक में गोदावरी नदी उफान पर है और कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। दूसरी ओर, सूरत में 358 मिमी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए, जहां 3,800 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। जिले में पिछले कुछ दिनों से बारिश से जुड़ी घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मुख्यमंत्रियों से बात की

गृह मंत्री अमित शाह ने को केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से बात कर भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। शाह ने वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना पर दुख जताया।

मुंबई में झीलें ओवरफ्लो

मुंबई में देर रात तुलसी और विहार झीलें ओवरफ्लो हो गईं। दोनों झीलें शहर को पेयजल उपलब्ध कराने वाली सात झीलों में शामिल हैं। भारी बारिश के चलते सेंट्रल और वेस्टर्न रेलवे की लोकल सेवाएं 25-30 मिनट की देरी से चलीं। वहीं, गुजरात जाने वाली 39 ट्रेनें रद्द, 21 को बीच रास्ते समाप्त और 46 ट्रेनों का समय बदला गया।

हिमाचल प्रदेश में पुल क्षतिग्रस्त, संपर्क टूटा

हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भी बारिश का दौर जारी रहा और शिमला जिले के रामपुर उप मंडल के कुछ हिस्सों में अचानक आई बाढ़ से सड़क संपर्क बाधित हो गया। जलस्तर बढ़ने की वजह से गानवी खड्ड नाले पर बना एक अस्थायी पुल क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे दोनों तरफ से संपर्क टूट गया।

राजस्थान के कई शहरों में सड़कें जलमग्न

राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के साथ ही कई जगहों पर भारी बारिश हुई। बारिश से अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा और अन्य जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ। कई शहरों में सड़कें और बाजार जलमग्न हो गए, जबकि निचले इलाकों और कॉलोनियों में पानी भर गया। राजस्थान में भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सक्रिय रहा।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में बाढ़ में बहे हजारों गैस सिलेंडर

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, रायगढ़ की पातालगंगा नदी में करीब 3 हजार एलपीजी गैस सिलेंडर बहते दिखाई दिए हैं। नदी में बहते गैस सिलेंडरों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ जिले के पनवेल तालुका के चावणे स्थित एचपीसीएल के पातालगंगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट परिसर में भारी बारिश और जलभराव के कारण बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर बहकर पातालगंगा नदी में बहकर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि बहने वाले करीब 3 हजार सिलेंडरों में कुछ भरे हुए हैं, जबकि कुछ खाली हैं।

न्यूज विंडो

कर्नल की पत्नी से फर्जी वेबसाइट के जरिए 50 हजार की ठगी

ग्वालियर। साइबर ठग अब फर्जी होटल वेबसाइट बनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र का है, जहां भारतीय सेना के एक कर्नल की पत्नी से होटल बुकिंग के नाम पर 50 हजार रुपए की आनलाइन ठगी कर ली गई। ठगी का पता तब चला जब भुगतान करने के बाद न तो बुकिंग की पुष्टि मिली और न ही कोई रसीद। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुरार थाना क्षेत्र के एमएच चौराहा स्थित एसबी कालोनी निवासी जूही पाण्डेय, पत्नी सिद्धार्थ मिश्रा ने पुलिस को बताया कि उनके पति भारतीय सेना में कर्नल हैं। चार जुलाई की दोपहर वह दिल्ली और आगरा यात्रा के लिए गूगल पर होटल सर्च कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें 'कोर्टयार्ड बाय मैरियट' के नाम से एक वेबसाइट दिखाई दी, जो देखने में पूरी तरह असली होटल की वेबसाइट जैसी लग रही थी। वेबसाइट पर दिए गए मोबाइल नंबर पर उन्होंने वाट्सएप वाइस कॉल किया।

नीलकंठ के पास पहाड़ी से गिरा भारी मलबा, यातायात हुआ प्रभावित

ऋषिकेश/उत्तरकाशी। नीलकंठ महादेव मंदिर के समीप पहाड़ी से मलबा सड़क पर आने से मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलते ही संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का कार्य शुरू कराया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और वाहन चालकों से सावधानी बरतते हुए यात्रा करने की अपील की है। वहीं, बड़कोट क्षेत्र में यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में आए दिन हाईवे बंद होने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है। मलबा हटाने के बाद भी दलदल में तब्दील सड़क पर जोखिम भरी आवाजाही बनी हुई है। एनएच के ईई मनोज रावत ने बताया कि हाईवे पर आवाजाही सुचारु रखने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने वाहन चालकों, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है।

मेरठ में दलित छात्रा की मौत पर बवाल, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर भारी बवाल हुआ है। छात्रा को इंसाफ दिलाने के लिए हो रही महापंचायत में बाहर के उपद्रवी पहुंच गए। इन उपद्रवियों ने प्रदर्शनकारियों को उकसाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उपद्रवियों पर डंडे बरसाकर उनकी साजिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान एसएसपी अविनाश पांडेय खुद एक शख्स पर थप्पड़ बरसाते हुए नजर आए। पुलिस के मुताबिक मेरठ कलेक्ट्रेट के बाहर हुए प्रोटेस्ट को कुछ ऐसे उपद्रवियों ने उकसाया जो दूसरे जिले से मेरठ आए थे और उन पर पहले से ही कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने इस मामले में 13 उपद्रवियों पर एफआईआर दर्ज किया है, जिनमें से 6 को गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें छापेमारी कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, ललिता गौतम की हत्या के आरोपियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर कल महापंचायत का आयोजन हुआ था, लेकिन भीड़ ने कलेक्ट्रेट के गेट को बंद कर दिया। वे गेट पर धरने पर बैठ गए और हंगामा करने लगे। प्रदर्शनकारी मेरठ के डीएम को बुलाने पर अड़े थे जिसके बाद एक्शन में आए मेरठ के एसएसपी ने खुद मोर्चा संभाला।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

महंगे गिफ्ट व पैसों के लेनदेन की जांच तेज, आरोपी अविनाश की टूट गई शादी

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपी अविनाश शुक्ला ने जिस महिला मित्र को रुपए और महंगे मोबाइल फोन गिफ्ट किया था, उसी से उसकी शादी की भी चर्चा थी। इधर, चर्चा है कि चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार होने के बाद अब महिला ने भी मुंह मोड़ लिया है और उसकी शादी टूटने की बात सामने आ रही है। राम मंदिर में गणना कार्य में लगे आरोपी अविनाश शुक्ला को भी गिरफ्तार किया गया है उसे सबसे पहले कस्टडी डिमांड पर बाहर लाया गया था गिरफ्तारी के समय ही उसी के पास से सर्वाधिक 20.39 लख रुपए बरामद हुए थे। चर्चा है कि कस्टडी डिमांड के दौरान भी 19 लाख रुपए का और पता चला था वही यह बात भी सामने आई थी कि उसने एक महिला मित्र को लगभग ढाई लाख रुपये दिए थे व एक महंगा मोबाइल फोन भी गिफ्ट किया था बाद में पता चला कि इसी महिला से उसकी शादी भी होने वाली थी। सूत्रों के अनुसार चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तारी के बाद दोनों के रिश्ते में दरार आने और शादी की बातचीत टूटने की चर्चा है। हालांकि इस बात की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही पुलिस या संबंधित पक्ष की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि की गई है। जांच एजेंसियों का मानना है कि अविनाश के निजी खर्च, उपहार और वित्तीय लेनदेन इस पूरे मामले की जांच में महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं।

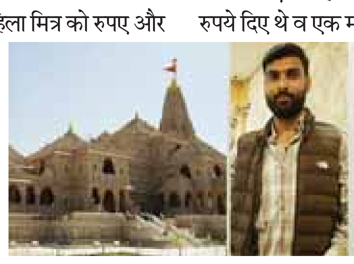

गृह मंत्री की बैठक आज सीमावर्ती जिलों से घुसपैठ को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज नई दिल्ली में सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ एक उच्चस्तरीय कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में घुसपैठ, अवैध अप्रवास, आबादी में बदलाव, सीमा सुरक्षा, ड्रोन से बढ़ते खतरे और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। केंद्र सरकार द्वारा अवैध अप्रवास के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केंद्र का मानना है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के कई जिलों में आबादी के स्वरूप को बदलने की एक संगठित कोशिश की जा रही है।

उत्तर कन्नड जिला में भीषण हादसा

ट्रक और क्रूजर के बीच टक्कर में 7 लोगों की मौत, 3 घायल

उत्तर कन्नडा, एजेंसी

कर्नाटक के उत्तर कन्नडा जिला से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां एक सड़क हादसे (ट्रक और क्रूजर कार के बीच टक्कर) में 7 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हादसे में 3 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। आइए जानते हैं कि कैसे हुआ ये हादसा और अब तक हादसे को लेकर क्या जानकारी सामने आई है।

ऐसे हुआ हादसा

हादसा कर्नाटक के उत्तर कन्नडा जिले में यल्लापुरा तालुका के अराबैल घाट पर सामने आई है। यहां एक ट्रक और क्रूजर कार के बीच भीषण टक्कर हुई, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई है। धारवाड़ से अंकोला की ओर एक क्रूजर गाड़ी में कुल 9 लोग यात्रा कर रहे थे। वे बुधवार (8 जुलाई) की रात धर्मस्थला और चिकमगलूर की यात्रा पर निकले थे। लेकिन, जब वे अराबैल घाट के बालगर इलाके में पहुंचे, तो क्रूजर और सामने से आ रहे ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई।

7 की मौके पर मौत

टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि क्रूजर गाड़ी पूरी तरह पिचक गई। मृतकों के शवों को येल्लापुर सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना के संबंध में येल्लापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

डिलीवरी बॉय में करते थे पार्ट-टाइम काम

इस हादसे को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना का शिकार हुई कार में मौजूद सभी लोग स्विगी में पार्ट-टाइम डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करते थे। वे बुधवार की रात को यात्रा पर निकले थे। हालांकि, रास्ते में ही उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस मामले में आगे की जांच और कार्रवाई कर रही है।

पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल परीक्षण अब पलक झपकते ही दुश्मन का काम होगा तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर) का सफल फ्लाइट टेस्ट किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कि रॉकेट का टेस्ट जरूरत के हिसाब से तय 60 किलोमीटर की कम से कम रेंज के लिए किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रॉकेट ने उड़ान के दौरान सभी तय किए गए मैन्यूवर (गतिविधियां) दिखाए और ठीक वैसे ही टारगेट पर निशाना साधा जैसा अनुमान लगाया गया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पनीका के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई दी है। रक्षा मंत्री ने इसे लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट के लिए स्वदेशी डिजाइन और डेवलपमेंट क्षमता में एक बड़ी उपलब्धि बताया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी और आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के सहयोग से इस रॉकेट को डेवलप किया है। रॉकेट को पिनाका लॉन्चर से लॉन्च किया गया, जो पहले से ही सर्विस में है। सरकार ने बताया कि डीआरडीओ के चेयरमैन राजेश कुमार सिंह, जो रक्षा सचिव और रक्षा ऋष्ठ विभाग के सचिव भी हैं, ने इस रॉकेट के परीक्षण से जुड़ी सभी टीमों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की और उनकी मदद की। रॉकेट को पहले से इस्तेमाल हो रहे पिनाका लॉन्चर से लॉन्च किया गया, जिससे इसकी वर्सटैलिटी (बहुमुखी प्रतिभा) का पता चला और एक ही लॉन्चर से अलग-अलग रेंज वाले पिनाका वैरिएंट्स को लॉन्च करने की क्षमता भी देखने को मिली।

मेट्रो एंकर

विरोध प्रदर्शनों को लेकर बढ़ा तनाव, सेना घिरी

पीओके : आंदोलनकारियों को आतंकी बताकर मार रही पाक सेना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों और स्थानीय संगठनों का आरोप है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां आंदोलन को दबाने के लिए सख्त कार्रवाई कर रही हैं, जबकि पाकिस्तानी प्रशासन आंदोलन से जुड़े लोगों पर देश को अस्थिर करने के आरोप लगा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार रावलाकोट, मुजफ्फराबाद, मीरपुर, कोटली और अन्य क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) का दावा है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया जा रहा है और उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। वहीं, पाकिस्तानी सेना और प्रशासन का आरोप है कि आंदोलन से जुड़े कुछ तत्व उग्रवादी संगठनों से जुड़े हो सकते हैं। दूसरी ओर, आंदोलनकारी इसे राजनीतिक अधिकारों, स्थानीय पहचान और लोकतांत्रिक भागीदारी की लड़ाई बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और भारत से समर्थन की अपील कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने पीओके में रहने वाले लोगों की जिंदगी तबाह कर दी है। पाकिस्तानी सेना से तो अब बहू-बेटियां भी सुरक्षित नहीं बची हैं। पीओके के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। वह हमारे अपने हैं। **-राजीव चूनी,** चेयरमैन एसओएस इंटरनेशनल

आंदोलन के प्रमुख केंद्र

- **रावलाकोट:** सबसे बड़ा आंदोलन केंद्र, जहां सबसे अधिक हिंसक झड़पें हो रही हैं।
- **मुजफ्फराबाद :** राजधानी क्षेत्र, जहां बड़ी संख्या में लोग मार्च और धरने में शामिल हो रहे हैं।
- **मीरपुर और कोटली:** बाजार बंद, चक्का जाम और बड़े पैमाने पर रैली।
- **बाग, हट्टियान बाला और सूधनोटी:** स्थानीय स्तर पर व्यापक विरोध प्रदर्शन।
- **ढेरकोट और डड्याल:** सड़क जाम, धरना और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारेबाजी।

हम यहां सबसे बुरे दौर में हैं। पाकिस्तान ने हमारा व हमारे बच्चों का जीवन नर्क बना दिया है। इस मुश्किल घड़ी में भारत सरकार को हमारी मदद करनी चाहिए।

-सरदार अमन खान, नेता जेएएसी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564